आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 179। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025

मुख्यमंत्री साय ने जीएसटी विभाग की समीक्षा बैठक में कर अपवंचन पर सख्ती के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ में जीएसटी कलेक्शन में ऐतिहासिक बढ़त : 18% वृद्धि दर के साथ देश में अव्वल

जीएसटी चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए : सीएम साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय स्थित महानदी भवन में वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभाग के कार्यों एवं राजस्व संग्रहण की विस्तार से जानकारी प्राप्त की और कर संग्रहण बढ़ाने के उपायों पर कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कर की राशि का उपयोग देश और प्रदेश के विकास कार्यों में होता है, इसलिए सभी को ईमानदारी पूर्वक कर अदा करना चाहिए। साय ने कहा कि जो लोग कर (जीएसटी) की चोरी करते हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा उनसे कर की वसूली सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य को जीएसटी एवं वैट से कुल 23,448 करोड़ रुपये का कर राजस्व प्राप्त हुआ, जो राज्य के कुल कर राजस्व का 38% है। छत्तीसगढ़ ने 18% की जीएसटी वृद्धि दर हासिल की है, जो देश में सर्वाधिक है।

बैठक में वित्त एवं वाणिज्यिक कर (जीएसटी) मंत्री ओ.पी. चौधरी ने विभागीय जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री साय ने जीएसटी संग्रहण हेतु विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि आगे भी नियमों के अनुरूप संग्रहण बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ कर अपवंचन के मामलों एवं उनसे निपटने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने फर्जी बिल, दोहरी बहीखाता प्रणाली और गलत टैक्स दरों का उपयोग कर अनुचित लाभ लेने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग की नवाचारी पहलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जीएसटी पंजीकरण की औसत समय सीमा को 13 दिन से घटाकर 2 दिन कर दिया गया है।

बैठक में अधिकारियों ने जीएसटी विभाग द्वारा हाल ही में की गई बड़ी कार्रवाइयों एवं कर चोरी की राशि की वसूली की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि विभाग द्वारा की गई कार्रवाइयों से शासन के कर राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है।

देश के सभी 33 जिलों में जीएसटी कार्यालय स्थापित किए

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सभी 33 जिलों में जीएसटी कार्यालय स्थापित किए गए हैं, जिससे कर संग्रहण एवं जीएसटी से जुड़ी सेवाओं का कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ संपादित किया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश कुमार बंसल, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत तथा आयुक्त वाणिज्यिक कर पुष्पेंद्र मीणा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

PM मोदी को घाना में 21 तोपों की सलामी

राष्ट्रपति महामा ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया; नेहरू-नरसिम्हा के बाद घाना जाने वाले तीसरे भारतीय PM

एजेंसी ● एक्रॉ

PM नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंच गए हैं। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रॉ में एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद PM मोदी होटल पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। PM ने इस दौरान एक छोटे बच्चे को गोद में लेकर उसे प्यार किया। होटल के बाहर भारतीय वेशभूषा में पहुंचे स्कूली बच्चों ने मोदी को संस्कृत में श्लोक सुनाया।

मोदी 2 जुलाई से 8 दिनों के लिए 5 देशों की यात्रा पर हैं। वे सबसे पहले घाना गए हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 सालों में पहली घाना यात्रा है। इससे पहले 1957 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और 1995 में नरसिम्हा राव बतौर PM घाना के दौरे पर पहुंचे थे। घाना के बाद PM मोदी त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे। 2014 से अब तक के तीन कार्यकाल में, PM की त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में भी पहली यात्रा होगी। मोदी ब्राजील में BRICS समिट में हिस्सा लेंगे।

घाना में भारत का UPI सिस्टम लाने पर राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत घाना में PM मोदी ने राष्ट्रपति जॉन महामा से मुलाकात की। दोनों नेता के बीच द्विपक्षीय व्यापार और रिश्तों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच एनर्जी, खेती और डिजिटल तकनीक और वैक्सीन हब डेवलप करने के क्षेत्र में कई समझौते (MoU) साइन होंगे। भारत का UPI और डिजिटल पेमेंट सिस्टम घाना में लाने के बारे में भी बातचीत होगी, ताकि दोनों देशों में डिजिटल लेन-देन आसान हो सके। मोदी और महामा एक साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। PM मोदी घाना की संसद और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के 15000 लोगों को संबोधित करेंगे। घाना के राष्ट्रपति महामा PM मोदी के सम्मान में स्टेट डिनर भी आयोजित करेंगे।

कोविड काल में भारत ने घाना को 6 लाख वैक्सीन दी

भारत और घाना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के मजबूत समर्थक रहे हैं। दोनों देश गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) के सदस्य हैं और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों में मिलकर काम करते हैं। घाना ने भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया है। जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और अन्य वैश्विक मुद्दों पर दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने घाना को वैक्सीन और चिकित्सा मदद दी थी। भारत ने घाना को 6 लाख कोविड वैक्सीन दी थी।

किश्तवाड़ में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि मुठभेड़ तब शुरू हुई जब पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ की मदद ली। आगे कहा कि आज शाम आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। चटरू के कुचल इलाके में तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने आगे बताया कि सुरक्षाबलों को देखते ही आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक मुठभेड़ जारी थी।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना

जम्मू में LG मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाई

एजेंसी ● जम्मू

अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। उपराज्यपाल (LG) मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी।

वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन

चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

हेमंत खंडेलवाल MP भाजपा अध्यक्ष बने

चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने ऐलान किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

हेमंत खंडेलवाल बैतूल सीट से विधायक हैं। बीते दिन पांच राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के अध्यक्ष चुने गए थे। हेमंत खंडेलवाल बुधवार को मध्य प्रदेश भाजपा के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा थी। खंडेलवाल ने सोमवार शाम नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी अन्य ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा था।

बीते दिन पांच राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुने गए थे। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में

रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंदर राव को पहली बार चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए 30 जून को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। नए प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो जाएगा। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50% राज्यों में चुनाव होने के बाद ही हो सकता है।

21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा संसद का मॉनसून सत्र, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा, जो कि 12 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को दी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को ट्वीट कर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोहों के मद्देनज़र 13 और 14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी। इस सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों और मुद्दों पर चर्चा की संभावना है।

पैक्स का सुदृढ़ीकरण जरूरी अधीनस्थ पैक्स तक संभागीय और जिला अधिकारी करें दौरा

पारदर्शिता, ईमानदारी से मजबूत होगा सहकारी आंदोलन : सारंग

संवाददाता ● भोपाल

संबोधित

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि पारदर्शिता, ईमानदारी और नवाचार के जरिए सहकारी आंदोलन को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए पूरी सहकारिता की टीम कृत-संकल्पित होकर काम करें। मंत्री श्री सारंग बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न पहलुओं पर राज्य स्तरीय सहकारी कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री सारंग ने कहा कि सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए पैक्स का सुदृढ़ीकरण करना आवश्यक है। इसके लिए संभागीय और जिला अधिकारी अधीनस्थ पैक्स का निरीक्षण करें। मुख्यालय के अधिकारियों को भी संभागवार जिम्मेदारी दी जाए, जो उनके अधीनस्थों की समस्या एवं सुझावों पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने में पैक्स की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

मंत्री सारंग ने कहा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप सहकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केडिट मूवमेंट के साथ सहकारिता के विभिन्न आयामों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता का क्लेवर बदल रहा है। सहकारी आंदोलन को पुनः मजबूत करने के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। मंत्री सारंग ने बताया कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि सहकारिता के माध्यम से ही गरीबों के घर में खुशी लायी जा सकती हैं। सहकारिता ही ऐसा नेटवर्क है, जिसके माध्यम से हर घर में रोजगार के नए अवसर पैदा किये जा सकते हैं। सहकारिता की साख के लिए काम करें। लोगों को अच्छे कामों के लिए याद रखा जाता है। ईमानदारी से किया गया कार्य आत्मसंतुष्टि देता है, इसलिए जॉब सेटिस्फेक्शन जरूरी है। मंत्री सारंग ने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार को दिए गए प्रेजेंटेशन में सबसे अच्छा प्रेजेंटेशन मध्यप्रदेश का रहा। इसके लिए उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की नवाचार विंग और सीपीपीपी मॉडल को भूरी-भूरी प्रशंसा मिली है। यही नहीं कंप्यूटराइजेशन की दिशा में भी मध्यप्रदेश देश में नंबर एक पर रहा है, जो सराहनीय है। मंत्री सारंग ने कहा कि कमिटमेंट दक्षता को सिद्ध करता है। सभी टीमवर्क के साथ काम करें। यूनिफार्मलिटी जरूरी है। साफ सुथरा ईमानदारी से किया गया कार्य ही आपकी पहचान बनेगा जिससे आपका नाम होगा। जॉब के लिए ईमानदार रहेंगे, तो सफल होंगे। मंत्री श्री सारंग ने शुरूआत में संभाग और जिलों के आए अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और बिना बताए अनुपस्थित अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

पैक्स सुदृढ़ हो, यही लक्ष्य : एसीएस वर्णबाल

अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णबाल ने कहा कि हर पैक्स को केडिट के अलावा तीन एक्टीविटी करना जरुरी है। स्थानीय पृष्ठभूमि में अवसरों को तलाश कर बिजनेस बढ़ाना होगा। संभागीय और जिला अधिकारी को एक-एक पैक्स की समयबद्ध तरीके से समीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि पैक्स सुदृढ़ हो यह लक्ष्य होना चाहिये। बिजनेस सोसायटियों के सदस्यों के खाते हमारे यहां होना चाहिये। साथ ही उनके लिये माइक्रो एटीएम की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प ने कहा कि सहाकारिता के सकारात्मक बदलाव के दौर में अधिकारी अपनी अहम भूमिका को पहचानकर दायित्वों का निर्वहन करें। सहकारिता के मॉडलाइजेशन को धरातल पर क्रियान्वित करें। अधिकारी अपनी लीडरशिप में प्रगति का फॉलोअप लें और पैक्स को बिजनेस यूनिट बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण में कार्यशाला में हुई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उप सचिव श्री मनोज सिन्हा ने केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत करवाया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त, उप आयुक्त, जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और समिति प्रबंधकों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शॉट न्यूज

कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ ने की स्कूली वाहनों पर कार्रवाई

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा स्कूली वाहनो की विशेष चेकिंग की जा रही है । जिसमें वाहन की गति ,स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। बच्चों, पलकों से चालक परिचालक के व्यवहार के बारे में फीडबैक भी लिया जा रहा है। कार्यवाही निरन्तर जारी है। शहर में अलग अलग क्षेत्र जैसे विजयनगर, पिपलियाहाना, रिंग रोड क्षेत्र में संचालित स्कूली की वाहनों की चेकिंग की गई । इस दौरान 10 स्कूली वाहन ओमनी वेन, ऑटो बिना दस्तावेज के स्कूली बच्चों का परिवहन करते पाए गए, जिन्हें जब्त किया गया। इन वाहनों में बच्चे भी क्षमता से अधिक थे। इन पर मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही कर 70 हजार रूपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

पालकों के मांगने पर स्कूली बच्चों को टीसी देना जरूरी : कलेक्टर

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले के सभी स्कूलों को निर्देशित किया है कि वे पालकों द्वारा चाहे जाने पर बच्चों को टीसी (स्थानांतरण प्रमाणपत्र) अनिवार्य रूप से देवें। आवेदन पर टीसी नहीं देने वाले स्कूल संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है वे जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का पूर्ण गंभीरता के साथ सकारात्मक रूप से समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर कार्यालय में आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह के समक्ष अग्रवाल पब्लिक स्कूल के कुछ पालक आये और उन्होंने बताया कि उनके बच्चों को स्कूल द्वारा टीसी नहीं दी जा रही है। कलेक्टर सिंह ने जिला पंचायत सीईओ को इस मामले की जांच कर पालकों को नियमानुसार तुरंत टीसी दिलवाने के निर्देश दिए।

वाहनों से कारोबार कर ट्रैफिक जाम करने वालों पर कार्रवाई

इंदौर। इंदौर शहर की प्रमुख सड़कों के किनारे अवैध रूप से मोडिफाई वाहन खड़े कर वाहनों से व्यवसायिक गतिविधियां कर यातायात को बाधित करने वाले वाहनों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में की गई। यातायात सुधार के संबंध में आयोजित बैठक में सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि अवैध रूप से खड़े होकर व्यवसाय करने वाले मोडिफाई वाहनों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि विगत कुछ दिनों में उपरोक्त तरह के वाहनों पर कार्रवाई करते हुए नगर पालिक निगम, रेवेन्यू विभाग और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की संयुक्त टीम ने 17 ऐसे वाहनों को चिह्नित किया। यह बिना अनुमति के जूस, आइसक्रीम, पानी, पाव भाजी आदि का व्यवसाय कर रहे थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते

रेलवे की सतर्कता से 3 नाबालिग बच्चों को भीख मंगवाने से बचाया गया

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल के आरपीएफ जवानों ने ट्रेन में चेकिंग के दौरान बच्चों को रेस्क्यू कर बाल निकेतन भवन में सुरक्षित सुपुर्द किया, मानव तस्करी रोकथाम के लिए बड़ी कार्रवाई पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा मानव तस्करी की रोकथाम और बच्चों की सुरक्षा के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आरपीएफ भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि उप निरीक्षक श्री अवधेश कुमार एवं आरक्षक श्री कृष्ण कुमार ने गाड़ी संख्या 22538 में नर्मदापुरम से भोपाल तक गहन चेकिंग के दौरान स्लीपर कोच में एक बालक और दो बालिकाओं को यात्रियों से भीख मांगते हुए पाया।

पूछताछ में बच्चों ने अपने नाम व पते बताए — मानसी (15 वर्ष), अनुष्का (15 वर्ष) और गणेसु (7 वर्ष), सभी निवासी नाला मोहल्ला, इटारसी, जिला होशंगाबाद (मध्यप्रदेश)। बच्चों ने बताया कि उनके माता-पिता काम पर चले जाते हैं और वे अपना खर्च चलाने हेतु ट्रेनों में भीख मांगते हैं। आरपीएफ टीम द्वारा तत्परता से तीनों बच्चों को आरपीएफ पोस्ट भोपाल लाया गया और तत्पश्चात बाल कल्याण समिति सदस्य श्री धनीराम पवार को मोबाइल पर सूचित किया गया। उनके निर्देशानुसार तीनों बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाल निकेतन भवन, हमीदिया रोड, भोपाल में सुपुर्द किया गया। भोपाल मंडल रेल प्रशासन द्वारा इस प्रकार की कार्यवाहियों के माध्यम से मानव तस्करी एवं बाल शोषण के विरुद्ध जागरूकता और सतर्कता बनाए रखते हुए यात्रियों से भी अपील की जाती है कि यदि कहीं इस प्रकार की गतिविधि नजर आए तो तत्काल रेल सुरक्षा बल या रेलवे अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते बच्चों को सुरक्षा प्रदान की जा सके।

आवासीय परिसर में गैर घरेलू गतिविधियां होने पर गैर घरेलू कनेक्शन के लिए स्वैच्छिक आवेदन करें

संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि ऐसे उपभोक्ता जो अपने आवासीय परिसर में रेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, पेइंग गेस्ट, प्रायवेट होस्टल या अन्य व्यवसायिक गतिविधियों जैसे कोचिंग क्लासेस, ब्यूटी पार्लर आदि चलाते हैं, उन्हें कंपनी ने सलाह दी है कि वे मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल HTTPS://SARALSANYOJAN.MPCZ.IN:8888/APPLY/OTHER/SERVICES अथवा UPAY APP के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर अपने प्रयोजन को घरेलू से गैर घरेलू (व्यवसायिक) श्रेणी में परिवर्तित करवा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं से यह भी अपील की है कि उपभोक्ता ने जिस प्रयोजन के लिए कनेक्शन लिया है, उसी के अनुसार विद्युत का उपभोग करें। उदाहरण के लिए यदि किसी उपभोक्ता ने घरेलू (लाइट और फैन) का कनेक्शन लिया है तो वे केवल उस परिसर को निवास के रूप में उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि सघन चैकिंग अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि आवासीय परिसर में संचालित की जा रही है तो ऐसी गतिविधियों को गैर घरेलू प्रयोजन में माना जाएगा और संबंधित दोषी उपभोक्ता से जुर्माना वसूल किया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे अपने कनेक्शन की जांच करा लें और जिस प्रयोजन के लिए कनेक्शन लिया गया है उसी के अनुसार सही संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए बिजली कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल अथवा UPAY APP पर जाकर अपने कनेक्शन प्रयोजन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर संबंधित टैरिफ श्रेणी में परिवर्तित करा लें।

भारतीय छात्रों के लिए बेहतरीन विकल्प बन रहा है फिलीपींस

विदेश में एमबीबीएस करना हुआ आसान

संवाददाता ● भोपाल

नीट यूजी 2025 के परिणाम आ चुके हैं, भारतीय छात्रों के सामने एमबीबीएस को लेकर एक मुश्किल सवाल खड़ा है - सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीमित सीटें और निजी संस्थानों की भारी-भरकम फीस। ऐसे में फिलीपींस भारतीय छात्रों के लिए एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए एक किफायती, भरोसेमंद और उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है। हाल ही में फिलीपींस सरकार ने भारतीय नागरिकों को 14 दिन की वीज़ा-फ्री यात्रा की सुविधा दी है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना है, लेकिन इससे उन छात्रों और परिवारों को भी लाभ होगा जो मेडिकल पढ़ाई के लिए फिलीपींस पर विचार कर रहे हैं। अब छात्र और अभिभावक बिना लंबी वीज़ा प्रक्रिया के कॉलेजों का दौरा कर सकते हैं, शिक्षकों से मिल सकते हैं, वहां की पढ़ाई और सुविधाओं को नज़दीक से समझ सकते हैं।

कडविन पिल्लई, ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के मैनेजिंग डायरेक्टर और किंग्स इंटरनेशनल मेडिकल एकेडमी के डायरेक्टर का कहना है, 'जहां आप पढ़ाई करने वाले हैं, वहां जाकर खुद देखना और उस माहौल को महसूस करना फैसले को आसान बना देता है। फिलीपींस छात्रों को खुले मन से आमंत्रित कर रहा है और उन्हें आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने का अवसर भी दे रहा है। फिलीपींस भारतीय छात्रों के बीच कई कारणों से तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। सबसे अहम बात यह है कि वहां पढ़ाई का माध्यम पूरी तरह अंग्रेज़ी है, जिससे भाषा की कोई बाधा नहीं आती। इसके अलावा वहां का मेडिकल कोर्स अमेरिकी शिक्षा प्रणाली पर आधारित है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक अनुभव और करियर में वैश्विक अवसर प्रदान करता है।

एमबीबीएस कोर्स के दौरान मिलने वाला क्लिनिकल प्रशिक्षण फिलीपींस की एक बड़ी खासियत है। देश की उष्णकटिबंधीय जलवायु और बीमारियों का स्वरूप भारत से काफी हद तक मेल खाता है। इससे भारतीय छात्रों को वहां पढ़ाई के दौरान ऐसे मेडिकल केस देखने और समझने का मौका मिलता है, जिनका सामना वे भविष्य में भारत में प्रैक्टिस के दौरान कर सकते हैं। यह उन्हें व्यावहारिक और प्रासंगिक अनुभव प्रदान करता है।

पढ़ाई का खर्च भी एक अहम वजह है। फिलीपींस में एमबीबीएस की कुल लागत भारत के निजी मेडिकल कॉलेजों और अमेरिका, ब्रिटेन या ऑस्ट्रेलिया जैसे अंतरराष्ट्रीय विकल्पों की तुलना में काफी कम है। ट्यूशन फीस, रहने और अन्य खर्च कम होने की वजह से यह भारतीय छात्रों के लिए एक किफायती विकल्प बन जाता है।

फिलीपींस सरकार ने मेडिकल शिक्षा को सुधारने के लिए कई प्रगतिशील कदम उठाए हैं। हालिया अपडेट के तहत, सीएचईडी (कमीशन ऑन हायर एजुकेशन) से मान्यता प्राप्त कॉलेजों से पढ़ाई पूरी करने वाले विदेशी छात्र अब इंटर्नशिप के बाद फिलीपींस में रजिस्टर होकर प्रैक्टिस कर सकते हैं। ये बदलाव फिलीपींस की मेडिकल शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

सीएमएचओ ने ली कार्यक्रम अधिकारियों की बैठक

बारिश में केंद्रों पर ओआरएस अन्य सभी दवाइयां हों पर्याप्त...

संवाददाता ● इंदौर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने सिविल सर्जन, समस्त कार्यक्रम अधिकारियों, विकासखंड एवं झोनल चिकित्सा अधिकारियों, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, प्रभारी सिविल अस्पताल-पीसी सेठी, कनाड़िया, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी-बाणगंगा, मांगीलाल चूरिया, बेटमा, कम्पेल, हातोद, क्षिप्रा के साथ वर्तमान परिस्थितियों में बाढ़, जलजनित बीमारियों एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के संबंध में विभाग की तैयारियों, कार्ययोजनाओं तथा भूमिकाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

बैठक में डॉ. हासानी ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर ओआरएस, क्लोरिन टेबलेट तथा ब्लिचिंग पॉउडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। चिकित्सा अधिकारी स्थानीय जन प्रतिनिधियों से संपर्क में रहें, उन स्थानों को चिन्हित करें जो उस क्षेत्र में जल जमाव एवं बीमारियों के स्थान हो सकते हैं। वर्षा ऋतु में सर्पदंश की घटनाएं अधिकतर देखने को मिलती है। इसके लिए एंटीस्नेम वेनम की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करें, संस्थानों के लिए सूचीबद्ध आवश्यक दवाईयों की मांग समय पर करें।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख प्राथमिकता है, इनसे संबंधित सेवाओं की प्रदायगी, सुपरविजन एवं पाई गई कमियों को सुधारने की प्रक्रिया निरंतर एवं गुणवत्ता पूर्ण होनी चाहिए। टीबी उन्मूलन का कार्य भी विभाग की महत्वकांक्षी योजनाओं में सम्मिलित है, कुल आबादी का 20 प्रतिशत जोखिम में होता है। इन सभी की स्क्रीनिंग, पहचान एवं उपचार किया जाना है। डॉ. हासानी ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन भी विभाग की प्राथमिकता में है, विकासखंड-झोन स्तर पर शिकायतों का निराकरण करें।

द वेल्थ कंपनी ने मूडीज और पीजीपी एकेडमी के साथ मिलकर शुरू की विश्व-स्तरीय वेल्थ मैनेजमेंट और SIF ट्रेनिंग

पूरे भारत में 5000+ डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने के लिए खास ट्रेनिंग

संवाददाता ● मुंबई

कार्यक्रम

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत, द वेल्थ कंपनी (The Wealth Company) ने इंडस्ट्री में पहली बार तीन विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें से दो मूडीज (Moody's) और पीजीपी एकेडमी (PGP Academy) के साथ मिलकर चलाए जा रहे हैं, जबकि तीसरा विशेष रूप से द वेल्थ कंपनी द्वारा विकसित किया गया है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह से प्रायोजित हैं और इन्हें डिस्ट्रीब्यूटर्स को वेल्थ मैनेजमेंट के भविष्य, निवेशकों के व्यवहार और नए जमाने के निवेश प्रोडक्ट्स के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का लक्ष्य पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 5,000 डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाना है, जिससे उन्हें लगातार बदलते उद्योग परिदृश्य में गहरा ज्ञान, आत्मविश्वास और विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिल सके। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जुलाई 2025 से शुरू होने वाले हैं।

पीजीपी एकेडमी: स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (SIF) के लिए तैयारी प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों को NISM सीरीज XIII: कॉमन डेरिवेटिव्स सर्टिफिकेशन एग्जामिनेशन के अनुरूप 15 (15 सप्ताह) ऑनलाइन SIF प्रशिक्षण सत्र (रिकॉर्डिंग सहित) तक पहुंच मिलेगी। इसे पूरा करने पर, उन्हें पीजीपी एकेडमी और द वेल्थ कंपनी से एक संयुक्त प्रमाण पत्र बिना किसी लागत के प्राप्त होगा।

मूडीज और पीजीपी: इंटरनेशनल वेल्थ मैनेजमेंट में अवार्ड (AIWM)

यह कार्यक्रम अनुभवी और उभरते दोनों तरह के वेल्थ प्रोफेशनल्स को वैश्विक संदर्भ में ग्राहकों की बदलती जरुरतों को पूरा करने के लिए विशेष ज्ञान प्रदान करेगा। इसमें कुल 20 लाइव गहन सत्र (20 सप्ताह) होंगे। यह मूलभूत कार्यक्रम प्रतिभागियों को जटिल वेल्थ मैनेजमेंट चुनौतियों से निपटने की विशेषज्ञता से लैस करेगा, जिससे वे तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में अनुकूलित समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता को बढ़ा सकेंगे। इसके अलावा, 'द साइकोलॉजी ऑफ वेल्थ कन्वर्सेशन्स' पर एक बोनस सत्र भी होगा, जिसे विशेष रुप से द वेल्थ कंपनी ने विकसित किया है। यह सत्र डिस्ट्रीब्यूटर्स के रोजमर्रा के अनुभवों पर आधारित है और क्लाइंट एंगेजमेंट को बढ़ाने का एक संरचित तरीका पेश करता है। यह व्यवहारिक वित्त (behavioral finance) और वर्षों के व्यावहारिक अनुभव पर आधारित है, और यह डिस्ट्रीब्यूटर्स को निवेशकों के व्यवहार को समझने, विश्वास मजबूत करने और अधिक सार्थक, अच्छी तरह से सूचित बातचीत करने में मदद करता है। द वेल्थ कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर, मिस मधु लूणावत ने डिस्ट्रीब्यूटर-फर्स्ट (distributor-first) दृष्टिकोण के साथ नए जमाने के म्यूचुअल फंड परिदृश्य को नया रुप देने के बारे में बात करते हुए कहा, "डिस्ट्रीब्यूटर्स भारत के म्यूचुअल फंड उद्योग की रीढ़ हैं। यह पहल उनके भविष्य में हमारे निवेश का एक तरीका है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें कल के निवेशकों की सेवा के लिए आवश्यक उपकरण, आत्मविश्वास और ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।"

द वेल्थ कंपनी के मुख्य रणनीति अधिकारी, श्री देबाशीष मोहंती ने कहा, "हम दृढ़ता से मानते हैं कि आज MFDs द्वारा सीखने में निवेश किया गया हर घंटा कल ग्राहकों के आजीवन विश्वास में बदल जाता है। ये पाठ्यक्रम डिस्ट्रीब्यूटर-फर्स्ट दृष्टिकोण में हमारे विश्वास को दर्शाते हैं - बिना किसी शर्त, बिना किसी बारीक अक्षरों के - बस सार्थक, व्यावहारिक समर्थन।"

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ, द वेल्थ कंपनी एक जानकार, भविष्य के लिए तैयार डिस्ट्रीब्यूटर इकोसिस्टम को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। शिक्षा में निवेश करके और बिना किसी लागत के वैश्विक-गुणवत्ता वाले प्रमाण पत्र प्रदान करके, द वेल्थ कंपनी न केवल कौशल अंतराल को पाट रही है, बल्कि अपने सबसे महत्वपूर्ण भागीदारों - डिस्ट्रीब्यूटर्स - के साथ जुड़ने के तरीके को भी फिर से परिभाषित कर रही है। यह पहल सिर्फ प्रशिक्षण से कहीं बढ़कर है - यह निवेश वृद्धि की अगली लहर के लिए भारत के डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क को सशक्त बनाने, ऊपर उठाने और लैस करने का एक आंदोलन है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

10 बार से अधिक यातायात नियम तोड़ा, तो वाहन रजिस्ट्रेशन होगा निरस्त

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर गिरेगी गाज

संवाददाता ● इंदौर

बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक परिवहन विभाग के रडार पर हैं। अब 10 से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के वाहनों के पंजीयन निरस्त किए जाएंगे। इसके साथ ही

नियम

शहर में जाम से राहत दिलाने के लिए यातायात व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। वही शहर में ट्रैफिक सिग्नलों को वाहन चालकों की सुविधा के अनुसार री-टाइम किया जाएगा, ताकि जाम और अनावश्यक रूकावट से बचा जा सके। शहर के कई चौराहों पर सिग्नल की टाइमिंग की मानिटरिंग कर यह बदलाव किया जाएगा। यह निर्देश कलेक्टर आशीष सिंह ने दिए। वर्षाकाल की शुरुआत के साथ ही शहर की कई सड़कों और बायपास पर जाम की समस्या सामने आई है। इसी समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। इसमें यातायात सुधार, इंटेलिजेंट इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) और ई-चालान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में यातायात नियमों का पालन न करते हुए रेड सिग्नल में वाहन निकालने का मुद्दा उठा। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आदतन नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करें। ऐसे वाहन चालकों की पहचान कर उनके वाहनों का पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई शुरू की जाए। मोडिफाइ वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। स्मार्ट सिटी के सीइओ दिव्यांक सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा सहित यातायात पुलिस, एनआइसी आदि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिग्नल की होगी समीक्षा

बीआरटीएस और अन्य मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल का समय वाहन चालकों की सुविधा और यातायात दबाव के अनुसार तय किया जाएगा। चौराहों पर जिस तरफ की सड़क पर अधिक लंबी कतार लग रही है, उस तरफ का समय बढ़ाया जाएगा, ताकि सिग्नल पर चालकों को अधिक समय तक रुकना न पड़े। बारिश के दौरान सिग्नल बंद न हो, इसकी पुख्ता प्लानिंग तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

ई-चालान भुगतान प्रणाली होगी सरल

बैठक में आइटीएमएस के तहत ई-चालान भुगतान प्रणाली को सरल और आसान बनाने के लिए क्यूआर कोड जैसे विकल्प जोड़ने पर भी सहमति बनी। इससे वाहन चालकों को चालान की राशि भुगतान करने में आसानी होगी। इसके लिए संबंधित विभाग से संपर्क कर नई व्यवस्था लागू करने के लिए पत्राचार किया जाएगा।

शॉर्ट न्यूज

निजी स्कूल में नाबालिग छात्राओं के शोषण खआ मामला दर्ज नहीं

इंदौर। इंदौर के निजी स्कूल में चौथी कक्षा की छात्राओं के शोषण की शिकायत के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय ने डिमांड ऑफ़ जस्टिस की याचिका पर संज्ञान लिया है। इसके बाद प्रशासन ने इसकी जांच कराई थी। जिसमें योन शोषण का खुलासा हुआ है। इस मामले में 9 साल बाद भी पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया है। एसडीएम रिपोर्ट में कहा गया कि स्कूल के दोनों टीचर मानसिक रूप से विकृत है। उन्होंने बच्चियों से अश्लील बातें की उन्हें मारा व अशोभनीय व्यवहार किया। उन्हें बर्खास्त करने की अनुशंसा भी की गई है। हाई कोर्ट एडवोकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया की सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जाँच रिपोर्ट छात्राओं और महिला शिक्षकों के कथन लिए गए। उनके अनुसार दोनों पुरुष टीचर्स मानसिक रूप से विकृत प्रतीत होते है जो छात्राओं से अश्लील बातें करते थे। जाँच रिपोर्ट अनुसार दोनो शिक्षकों पर एक-एक लाख रुपये की राशि से बाउंड ओवर भी किया गया था पर थाने पर किसी भी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

रील बनाने के चक्कर में ट्रैफिक में बनने लगे बाधा

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में रील बनाने के चक्कर मे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो युवकों पर पुलिस ने कार्रवाई की हैं। द्वारकापुरी थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि घटना फूटी कोठी ब्रिज की है, जहां अयान पिता जाकिर हुसैन निवासी सहयोग नगर और तोसिफ पिता फिरोज खान निवासी ए चंदन नगर स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी04-सीक्यू-9387 पर बैठकर वीडियो शूट कर रहे थे। इस दौरान एक युवक बोनट पर बैठा था, जबकि दूसरा मोबाइल से वीडियो बना रहा था। युवकों की इस हरकत से ब्रिज पर यातायात बाधित होने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब युवकों को हटने के लिए कहा गया, तो वे खुद को यू-ट्यूबर बताकर बहस करने लगे। जिसके बादपुलिस दोनों युवकों को थाने लाई और स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया। अयान और तोसिफ पर ट्रैफिक बाधित करने और नियमों के उल्लंघन के तहत चालानी कार्रवाई की गई है।

खुड़ैल में खेत में छोड़ा करंट पांच श्वानों की मौत

इंदौर। खुड़ैल इलाके में पिता-पुत्र ने अपने खेत में सेंटिंग तारों में करंट छोड़ दिया। जिसके चलते करंट लगने से पांच श्वानों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक घटना ग्राम खुड़ैल बुजूर्ग में कल दोपहर की हैं। पुलिस ने फरियादी सादनाबाई मालवीय पति महेश की रिपोर्ट पर आरोपी लच्छीराम पिता अम्बाराम खाती और इसके बेटे ऋतिक खातीके खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी लच्छीराम का खेत पुराने शमशान घाट के पास है। आरोपियों ने अपने खेत के आस पास अवैधानिक तरीके से सेंटिंग के तार लकड़ी की खुटियों को गाड़ कर सेंटिंग के तार में करंट छोड रखा था। इससे फरियादी का पालतू श्वान और गांव के अन्य 4 श्वान की भी मौत हो गई।

छूट का लाभ उठाने के लिए लाइनों में लगे शहर के करदाता

निगम के कैश काउंटरों पर अग्रिम टैक्स जमा करने वालों की भीड़

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम के कैश काउंटरों पर इन दिनों भारी भीड़ देखी जा सकती है। यह करदाता बकाया जमा करने वाले नहीं है बल्कि नगर निगम के टैक्स अग्रिम जमा कर शहर विकास में योगदान देने वाले दाता हैं। अपनी जिम्मेदारी पूर्ण करते हुए निगम टैक्स का भुगतान करने के लिए यह लोग लाइनों में लगे हैं। हालांकि करदाताओं की परेशानी यह है कि वह निगम को समय से पहले टैक्स जमा कर रहे हैं और निगम के ई पोर्टल का सर्वर बार-बार दगा दे रहा है अर्थात हैंग हो रहा है।

नगर निगम के राजस्व विभाग स्थित कैश काउंटर वाले इस हाल में ऐसा लग रहा है जैसे मेला लगा हो। करदाताओं के

परेशानी

इसी उत्साह को देखते हुए अग्रिम कर जमा करने के लिए एक महीने की समय-सीमा और बढ़ा दी गई है। जानकारी अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगम के संपत्ति कर, जल कर और अन्य टैक्सों के अग्रिम भुगतान पर नगर निगम द्वारा छूट दी जा रही है। इसी का फायदा उठाने के लिए शहर के करदाताओं का हुजूम नगर निगम राजस्व विभाग में उमड़ पड़ा है। हालांकि निगम द्वारा छूट दी जाना तो एक बहाना मात्र है वास्तविकता तो यह है कि इसी बहाने अधिक से अधिक रैवेन्यू नगर निगम के खजाने में जमा करवाना है। इसका कारण यह है कि नगर निगम लंबे समय से आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। छूट के बहाने ही सही शहर के करदाता नगर निगम को न केवल टैक्स जमा करते हैं बल्कि निगम का खजाना भी भरते हैं।

31 जुलाई तक जमा कर सकेंगे अग्रिम टैक्स - नगर निगम द्वारा अग्रिम टैक्स भुगतान पर लोगों की भीड़ को देखते हुए एक महीने की समय सीमा अग्रिम टैक्स भुगतान के लिए बढ़ा दी है। अग्रिम टैक्स जमा करने वाले करदाता अब इस महीने की आखिरी तारीख तक नगर निगम के कैश काउंटरों पर टैक्स का अग्रिम भुगतान कर छूट का लाभ ले सकते हैं।

बड़े बकायादारों पर नहीं निगम की कसावट

एक तरफ जहां शहर का एक बड़ा वर्ग लाइनों में लगकर निगम के संपत्तिकर, जल कर आदि की राशि का अग्रिम भुगतान कर रहा है वहीं दूसरी तरफ करोड़ों रुपए टैक्स के बकायादार से वसूली के लिए निगम की कोई कसावट नहीं है। वर्षों से रसूख का फायदा उठाकर यह बड़े बकायादार निगम से टैक्स भुगतान करने से बच रहे हैं। ऐसे रसूखदार बकायादारों से निगम किसी भी प्रकार से वसूली करने में असमर्थ नजर आ रहा है।

पति के अफेयर से परेशान महिला ने की आत्महत्या

इंदौर। कनाड़िया इलाके में एक महिला ने पति के अफेयर से परेशान होकर जहर खाकर जान दे दी। महिला ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें पति राहुल पर मारपीट, मानसिक प्रताड़ना और अफेयर के गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल निजी कंपनी में सेफ्टी इंजीनियर है। मृतका नेहा मालवीय (27)

सुसाइड नोट में लगाए आरोप

निवासी खतरीखेड़ी ने सोमवार शाम अपने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया था। नेहा की मां सुनीता ने उन्हें तत्काल एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम को नेहा की मौत हो गई। मृतका का पोस्टमॉर्टम आज कराया जाएगा। पुलिस ने परिजन को सूचना दे दी है। नेहा ने अपने सुसाइड नोट में पति राहुल मालवीय पर कंपनी में साथ काम करने वाली एक युवती के साथ प्रेम संबंध होने का आरोप लगाया है। नेहा के मुताबिक, उस युवती के कारण पति-पत्नी में झगड़े होते थे और राहुल जानबूझकर उनके झगड़े के फोटो व वीडियो उसे भेजता था। साथ ही, रिश्तेदारों से झूठ कहता था कि उनके पिता को मारती पीटती हूं। उनकी संपत्ति को हड़पने के लिए ऐसा कर रही हूं। कोरोना कॉल में सास बीमार हुई तो बेटी और बेटे छोड़कर भाग जाते थे। तब मैंने ही उनका ध्यान रखा। दो साल से ससुर बीमार हैं बिस्तर पर हैं। तब भी मैं ही ध्यान रख रही हूं। फिर भी झूठा इल्जाम लगाते हैं। पति घर से भगाना चाहते हैं। उसका अधिकार उस लड़की को देना चाहते हैं। एक लड़की के कहने पर हमारा झगड़ा होता है। समझाने जाती हूं तो मारपीट करते हैं। नंदोई ओर ननद भी इसमें पति का ही साथ देते हैं। इसके साथ ही कई तरह के आरोप नेहा ने अपने नोट में पति राहुल पर लगाए हैं। मृतका की मां सुनीता ने पुलिस को बताया कि राहुल अक्सर नेहा के साथ मारपीट करता था। सोमवार को भी उसने नेहा को कॉल कर घर बुलाया और मारपीट की। जब मैं पहुंची, तब तक नेहा जहर खा चुकी थी। सुनीता ने यह भी कहा कि राहुल का एक युवती से अफेयर है, जो महू में राहुल के मामा के घर के पास रहती है।

100 फीट चौड़ी रोड से आसपास के कॉलोनी वासियों को भी मिलेगी भरपूर सुविधा

बाईपास से सिटी फॉरेस्ट तक सीमेंटेड सड़क बनाएगा न.निगम

संवाददाता ● इंदौर

बाईपास के करीब शहर का पहला सिटी फॉरेस्ट लगभग तैयार हो चुका है। जल्द ही यहां तक पहुंचाने के लिए नगर निगम द्वारा सीमेंटेड सड़क बनाने की भी तैयारी है। इस सड़क पर करीब 35 करोड रुपए लोकधन खर्च किया जाएगा। बताया जा रहा है कि करीब 100 फीट चौड़ी इस सड़क से न

सुविधा

सिर्फ शहर वासियों को सिटी फॉरेस्ट पहुंचने में सुविधा होगी बल्कि आसपास की कई कॉलोनी के रहवासियों को भी अच्छी सड़क मिल जाएगी। जानकारी अनुसार बाईपास पर प्राइड होटल से सिटी फारेस्ट तक वाहन चालकों को सीधी कनेक्टिविटी के लिए सीमेंटेड रोड की प्लानिंग की गई है।

इसको लेकर वैसे तो पिछले दिनों ही निगम द्वारा टेंडर प्रक्रिया के साथ अपनी ओर से सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू करने को लेकर तमाम तैयारियां पहले ही शुरू कर दी थी। जिसके तहत प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों के मुताबिक बायपास पर होटल प्राइड के पीछे से सिटी फारेस्ट तक के करीब ढाई किमी लंबे हिस्से में निगम जल्द 30 मीटर चौड़ी यानी 100 फीट चौड़ी नई सीमेंटेड सड़क निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है। इससे अब यहां आने वाले दिनों में सिटी फारेस्ट क्षेत्र से जुड़ी आसपास की टाउनशिप और नई कालोनियों के साथ यहां सिटी फारेस्ट की सैर करने आने वाले हजारों टूरिस्ट और पर्यटकों को भी बायपास से जुड़ने वाली सीधी कनेक्टिविटी वाली नई सड़क की सौगात मिल जाएगी। यही नहीं इससे यहां घूमने आने वाले लोगों को भी आने वाले दिनों में ऊबड़-खाबड़ आधी-अधूरी कच्ची सड़क से निजात मिलेंगी और नई चमचमाती लंबी-चौड़ी सड़क से बड़ी राहत मिलने वाली है। जिस पर इंदौर नगर निगम लगभग 34 करोड़ से ज्यादा खर्च करेगा।

बारिश के दौरान कीचड़ और गड्ढों से मिलेगी निजाद

निगम अधिकारियों के अनुसार नगर निगम ने मास्टर प्लान से जुड़ी 23 नई सड़कों के निर्माण को लेकर टेंडर से जुड़ी तमाम प्रक्रिया पूरी कर ली है। वहीं हाल ही में निगम ने पहले चरण में इनमें से कुछ सड़कों का काम शुरु भी कर दिया है ताकि भविष्य में बायपास से जुड़ी इन तमाम नई कालोनियों के हजारों रहवासियों और टाउन शिप में रहने वाले सैकड़ों परिवारों को बायपास से जुड़ने के लिए नई सड़क की सौगात मिलने से फायदा होगा। यही नहीं इससे लोगों को आगे बारिश के दौरान भी बड़ी राहत मिलने वाली है।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग

रहवासी क्षेत्र में फैक्ट्री होने से गाड़ियों को पहुंचने में हुई परेशानी

संवाददाता ● इंदौर

गौरीनगर स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में आज सुबह भीषण आग लग गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाने काकार्य शुरू किया। काफी

हादसा

मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड को आज सुबह करीब 7.15 बजे गौरी नगर में सूजल प्लास्टिक फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगने की सूचना आयुष बुंदेला से फोन पर सूचना मिली। मौके पर तत्काल लक्ष्मीबाई नगर, सांवेर रोड और गांधी हाल फायर स्टेशनों से तीन दमकलों के साथ एसआई बलजीत हुड्डा के साथ टीम पहुंची। जहां आग लगी थी वहां तंग गली थी और घनी बस्ती थी। दमकलें गली अंदर नहीं जा पाई तो हौज पाइप जोड़कर आग बुझाने की मशक्कत की गई। सुबह करीब 10.15 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान गोदाम का शेड भी गिर पड़ा और समीप ही एक मकान की पिछली दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। तंग गली में शेड गिर जाने के बाद वहां जेसीबी भी नहीं पहुंच पाई। किसी जनहानि की सूचना नहीं है। गोदाम में प्लास्टिक और अन्य सामान भरा होने से आसपास फैले धुंए के कारण रहवासी घबर गए और घरों से बाहर आ गए। फायर ब्रिगेड के मुताबिक आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इधर क्षेत्र के लोगों में रहवासी बस्ती के बीत गोदाम होने और आग की घटना से रोश व्याप्त है। लोगों ने गोदाम को हटाने की मांग भी की है।

मानसून के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए नगर निगम की विशेष पहल, 31 अगस्त तक चलेगा अभियान

निगमायुक्त ने किया सफाई अपनाओ -बीमारी भगाओ अभियान 2.0 का शुभारंभ

संवाददाता ● इंदौर

मानसून के दौरान होने वाले स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 'सफाई अपनाओ – बीमारी

पहल

भगाओ अभियान 2.0' की शुरुआत की गई है। निगमायुक्त वर्मा द्वारा इस अभियान का शुभारंभ गांधी हॉल में किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अखिलेश उपाध्याय, निगम के अधिकारी, बड़ी संख्या में सफाई मित्र और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अभियान का उद्देश्य और अवधि- अभियान का मुख्य उद्देश्य मानसून में फैलने वाली जल जनित एवं वेक्टर जनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम के लिए स्वच्छता को एक जनांदोलन बनाना है। यह अभियान 01 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक दो महीने तक चलाया जाएगा।

अभियान के मुख्य बिंदु: अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत निम्न प्रमुख गतिविधियां की जाएंगी। कचरा संभावित स्थलों पर विशेष सफाई अभियान, सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नमूनों की जांच, अपशिष्ट संग्रहण और परिवहन की व्यवस्था में सुदृढ़ता, घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, सभी झोन एवं वार्ड स्तर पर सफाई की सतत निगरानी करेंगे।

अभियान के छह मूलमंत्र

1. स्वच्छ हाथ, 2. स्वच्छ घर, 3. स्वच्छ पड़ोस, 4. स्वच्छ शौचालय, 5. स्वच्छ नालियां व जल निकाय, 6. स्वच्छ सार्वजनिक स्थल। इन मूलमंत्रों को आधार बनाकर अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

सफाई मित्रों का सम्मान और प्रशिक्षण

निगमायुक्त शिवम वर्मा ने अभियान का विधिवत लॉन्च किया एवं सफाई मित्रों द्वारा साझा किए गए अनुभवों को सराहा। अभियान को सफल बनाने हेतु सभी 22 झोन से चयनित 22 सफाई मित्रों एवं प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया एवं स्वच्छता किट प्रदान की गई। विशेष रुप से, 56 दुकान रहवासी संघ के अध्यक्ष गुनजन शर्मा को स्वच्छता बांड एम्बेसेडर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त, यूनिसेफ के सहयोग से सफाई मित्रों को सुरक्षा उपकरण, स्वच्छता से जुड़े नवाचारों और स्वस्थ्यकर कार्यप्रणाली के बारे में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। आयुक्त वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि "स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। 'सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ अभियान' का उद्देश्य केवल सफाई नहीं, बल्कि शहरवासियों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है। सभी नागरिक इस अभियान से जुड़ें और स्वस्थ इंदौर के निर्माण में भागीदार बनें।"

संपादकीय

हाई कोर्ट का फैसला सबसे बड़ा अधिकार

उत्तराखंड हाई कोर्ट का फैसला - कि अतिक्रमित भूमि पर रहने की वजह से किसी को मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता- भारतीय लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को दोहराता है । वोटिंग का अधिकार संविधान की ओर से दिया गया है और इसका आधार जमीन का टुकड़ा नहीं हो सकता। न यह अधिकार इतना कमजोर है कि इसे किसी सरकारी फरमान से छीना जा सके। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के कुछ लोगों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर राज्य सरकार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी, जंगल या किसी और जमीन पर अतिक्रमण करके रहने वालों को पंचायत चुनावों में मतदान करने या इलेक्शन लड़ने से वंचित किया जाएगा। हाई कोर्ट ने इस पर साफ किया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मताधिकार सुरक्षित है और न्यायपालिका या सरकार कोई भी इसे वापस नहीं ले सकता। राज्य सरकार का यह आदेश अगर लागू हो जाता, तो एक खतरनाक मिसाल बन सकता था। देश के कई हिस्सों में आज भी लाखों लोग ऐसी जमीनों पर रह रहे हैं, जिनका स्वामित्व स्पष्ट नहीं है, खासतौर पर शहरों के बीच बसी झुग्गियों, गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में। देश में वैसे भी जमीन से जुड़े मुकदमे बरसों तक चलने के लिए बदनाम हैं। कई मामलों में पीढ़ियां बदल गई और फैसला नहीं आया। लेकिन, इसका यह मतलब नहीं है कि इन्हें अतिक्रमणकारी बताकर इनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया जाए। लोकतंत्र में मताधिकार केवल चुनावी प्रक्रिया का एक अंग नहीं है। इसी से भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है। संविधान ने देश के लोगों को यह अधिकार दिया है जब अनुच्छेद 326 के ड्राफ्ट आर्टिकल को शामिल किया जा रहा था, तब भी इस पर आपत्ति उठाई गई थी। एक सदस्य ने वयस्क मताधिकार का विरोध करते हुए अंदेशा जताया था कि अगर मतदाता जागरूक और शिक्षित न हुआ, तो संसदीय लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती। हालांकि वक्त ने इस अंदेशे को हवा में उड़ा दिया। हर नागरिक, जो निर्धारित आयु पूरी कर चुका हो और कुछ विशेष आधारों पर अयोग्य न हो, उसे मतदाता बनने का अधिकार है। शुरुआत में यह आयु 21 वर्ष थी, जिसे 61वें संविधान संशोधन के जरिये घटाकर 18 वर्ष किया गया। इसका मतलब कि देश का अपने लोगों पर यकीन और पक्का हुआ। जमीन से जुड़े विवाद को लेकर इस यकीन को तोड़ा नहीं जा सकता। हां, अतिक्रमण बड़ी समस्या है, पर उससे निपटने का तरीका वह नहीं, जो उत्तराखंड सरकार ने खोजा।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं

–डॉ. आशीष वशिष्ठ

लेखक राजनीतिक विषयों पर लिखते हैं।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पे शल इन्टेन्सिव रिवीजन — एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराज़गी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, "क्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।" तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण "पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम" है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है। संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के - चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है।

विचार

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनहद नाद भी है।

● ओशो

चाणक्य

जो व्यक्ति हर काम को टालता है, आलस करता है और मेहनत से भागता है तो वह जीवन में कभी सफलता और धनवान नहीं बन सकता। आलस व्यक्ति अवसरों को पहचान नहीं पाता और बाद में हमेशा पछताता रहता है। इसलिए जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी चीज है मेहनत और समय पर कार्य करना।

● आचार्य चाणक्य

सुकरात

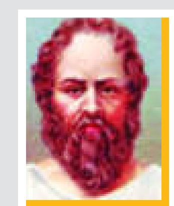

"जानने का पहला कदम स्वयं को जानना है"
यह सुकरात का सबसे प्रसिद्ध कथन है, जिसका अर्थ है कि हमें अपनी असलियत, अपनी शक्तियों और कमजोरियों को समझना चाहिए, आत्म-ज्ञान जीवन में सही निर्णय लेने और संतुलित जीवन जीने के लिए जरूरी है.

● सुकरात के अनुसार

Business News

बुलियन मार्केट

दोनों मूल्यवान धातुओं में नरमी का रुख

इंदौर। स्थानीय सराफा बाजार में सोना एवं चांदी की कीमतों में डिमांड कमजोर होने से सोना 100 रुपए एवं चांदी में भी 100 रुपए की नरमी देखी गई। सोना 100 घटकर 97700 का भाव रहा वही चांदी 100 नरम होकर 105700 का भाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3344 ऊपर में 3345 नीचे में 3327, चांदी 3625 सेण्ट ऊपर में 3626 नीचे में 3587 नकद में केडबरी 97700 एक दिन पूर्व 97800 आरटीजीएस 99700 सोना 22 कैरेट 91200 जीएसटी सहित चांदी नगद 105700 एक दिन पूर्व 105800 आरटीजीएस में 107600 चांदी टंच 106000 रुपए सिक्का 1160 भारतीय रुपया 85.51 स्थानीय बाजार में सोना लगभग 100 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 100 रुपए किलो की नरमी पर है।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 97700, आरटीजीएस 99700 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 91200 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 105700, आरटीजीएस 107600 और टंच 106000 रुपए प्रति किलो रही। चांदी का सिक्का 1160 रुपए प्रति नग।

उज्जैन सराफा- सोना केडबरी 97800 और रवा 97700 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 106000,टंच 105900 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1200 रुपए प्रति नग बिका।

सरसों तेल में मांग बनी रहने से सुधार

इंदौर। आयातित तेलों में मांग कमजोर होने के कारण सोया रिफाइंड के भाव 100 रुपए घटकर 12700 रुपए रह गए। इंदौर में सोया रिफाइंड के भाव 11700 रुपए क्विंटल बोले गए। आयातकों की बिकवाली से इसके भाव 100 रुपए घटकर 11550 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सरसों तेल में सप्लाई कमजोर होने एवं मांग बढ़ने से भाव 150 रुपए बढ़कर 14600 रुपए प्रति क्विंटल हो गए।

खाद्य तेल- मूंगफली तेल इंदौर 1370-1390, मुंबई मूंगफली तेल 1420 इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1170 इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1100-1115, इंदौर पाम 1220 मुंबई सोया रिफाइंड 1200 मुंबई पाम तेल 1200 राजकोट तेलिया 2225, गुजरात लूज 1375, कपास्या तेल इंदौर 1205 रुपए प्रति दस किलो।

तिलहन- सरसों निमाड़ी (बारीक) 6300-6400 रायडा 5700-5800 सोयाबीन 4300, टोली 4350-4400 रु. प्रति क्विंटल।

हरी इलायची में तेजी, खसखस में मांग कम होने से मंदी

इंदौर। स्थानीय सियागंज किराना बाजार में कामकाज सामान्य बना हुआ है। रिमझिम बारिश के बीच बेसन में उपभोक्ता मांग अच्छी बनी हुई है वहीं मंडी में अचार की केरी की आवक बढने के साथ ही अचार मसालों एवं कई अन्य मसालों और सूखे मेवों के भावों में तेजी का रुख बना हुआ है। बाजार जानकारों के मुताबिक माल की कमी के कारण तरबूज मगज में तेजी है। इसमें स्टाकिस्टों की खरीदी का रुझान बना रहने से फिलहाल भाव कम होने की गुंजाइस नजर नहीं आ रही है। दिल्ली में 680-700 रुपए इंदौर में 670-680 रुपए तक भाव बोले गए। किशमिश और किशमिश कंधारी में भी ग्राहकी समर्थन से तेजी का माहौल है। किशमिश कंधारी बेस्ट 525 से 650 रुपए बिक गई। हरी इलायची में तेजी जारी है, जबकि खसखस में मांग कम होने से मंदी दर्ज हुई है। आयात सौदों की कमी के कारण खुले बाजार के हालात भी खराब है। ज्यादातर माल मुर्गीदाना मिलावट वाला बिक रहा है।

शकर- 4110-4120 बेस्ट क्वालिटी 4130-4140, गुड़ कटोरा 4600-4700, लड्डू 5200, गिलास 5000-5200 रुपए क्विंटल।

नारियल- 120 भरती 2900-2950, 160 भरती 3300-3400, 200 भरती 3650-3700, 250 भरती 3800-3900 रुपए प्रति बोरी।

खोपरा गोला - 275-300 कट्टे में 260 रुपए प्रति किलो । खोपरा बूरा 4100-6150 रुपए प्रति (15 किलो)।

फलाहारी- साबूदाना सच्चामोती एगमार्क (500) 5350, सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 5500 साबूदाना चक्र एगमार्क 5420, गोपाल लूज (25 किलो) 4790, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9400 रुपए।

मसाले- कालीमिर्च 711 से 715, लौंग चालू 780 से 800, बेस्ट 825 से 840, दालचीनी 255 से 265, जायफल 680 से 715, बेस्ट 720 से 725, जावत्री 2000 से 2050, बड़ी इलायची 1550 से 1850, बेस्ट 1950 से 2050, तेजपान 90 से 98, सौंठ 280 से 340, हींग 751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330 रु.।

लौंग की कीमतों में नरमी जारी

लौंग में सुस्ती का रुख बना हुआ है। घटी कीमत पर लौंग का उठाव सुस्त ही बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय कीमत सुस्त बनी होने से बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है। इलायची में नरमी नहीं है। उत्पादन केंद्रों पर नीलामी में छोटी इलायची की आवक बढ़कर 28,749 किलो हो गई। आवक तुलनात्मक रुप से ऊंची होने क बाद भी लिवाली मजबूत ही बनी होने से इसकी औसत नीलामी कीमत तेज होकर 2683.04 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। तेजी वाले भाव पर स्टॉकिस्टों की लेवाली सुस्त है।

सेंसेक्स 288 अंक टूटा, निफ्टी 25,453 पर बंद

रियल्टी और फाइनेंशयिल शेयरों में गिरावट

मुंबई। शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन कंसोलिडेशन फेज में रहा यानी ज़्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों के बीच निवेशकों में सतर्कता देखने को मिली। अंत में शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 93 अंकों की बढ़त लेकर खुला। दिन में सेंसेक्स 83,935.01 का ऊपरी स्तर और 83,150.77 का निचला स्तर छू चुका था। अंत में यह इडेक्स 287.60 अंक यानी 0.34% की गिरावट लेकर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 ने 25,588.30 पर ओपनिंग की। दिन में यह इंडेक्स 25,608.10 का ऊपरी स्तर और 25,378.75 का निचला स्तर छू चुका था। आखिर में निफ्टी 88.40 अंक यानी 0.35% टूटकर 25,453.40 पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार 24,500-25,000 की रेंज को ब्रेक करने के बाद निफ्टी 25,200-25,800 की नई रेंज में चला गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते के बारे में सकारात्मक खबर रेंज की अपर लिमिट को ब्रेक करने में मदद कर सकती है, लेकिन निफ्टी को लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनाए रखना मुश्किल होगा। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बैंक 45.20 अंक की गिरावट के साथ 57,414.25 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 59.20 अंक की बढ़त के साथ 59,809.25 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 26.40 अंक की बढ़त के साथ 19,082.10 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स पैक में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स टॉप गेनर्स रहे। जबकि, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, बीईएल और इटरनल टॉप लूजर्स रहे। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि केवल हांगकांग हरे निशान में कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका में डाउ जोंस 400.17 अंक की बढ़त के साथ 44,494.94 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 6.90 अंक की गिरावट के साथ 6,198.05 पर बंद हुआ और नैस्डैक 166.85 अंक की गिरावट के साथ 20,202.89 पर बंद हुआ।

कॉर्पोरेट समाचार

भारतीय ग्राहकों का किआ के सभी मॉडल्स को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। किआ कंपनी के लगभग सभी मॉडल्स को भारतीय ग्राहकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इन मॉडलों में सोनेट और सेल्टोस ने खासतौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। कंपनी अब कई नए मॉडल्स को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इनमें कुछ मौजूदा पॉपुलर कारों के अपडेटेड वर्जन भी शामिल होंगे और साथ ही इलेक्ट्रिक मॉडल्स भी पेश किए जाएंगे। कंपनी की आने वाली गाड़ियों में सबसे ज्यादा चर्चा किआ कैरेंस क्लैविस ईवी की है। यह मोस्ट-अवेटेड इलेक्ट्रिक एमपीवी 15 जुलाई को भारतीय बाजार में पेश की जाएगी। इसमें 450 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है, जो ग्राहकों के लिए बड़ा आकर्षण साबित हो सकता है। इसके अलावा, किआ अपनी बेस्ट-सेलिंग एसयूवी सेल्टोस के फेसलिफ्ट वर्जन पर भी काम कर रही है। इसे भारतीय सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई सेल्टोस में हाइब्रिड पावरट्रेन का विकल्प दिया जा सकता है और इसे 2025 के आखिर या 2026 की शुरुआत में लॉन्च किए जाने की संभावना है।

पंजाब नेशनल बैंक में मिनिमम बैलेंस की अनिवार्यता खत्म

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने मिनिमम बैलेंस की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। पंजाब नेशनल बैंक ने कहा है कि अब मिनिमम बैलेंस नहीं होने पर ग्राहकों से पेनल्टी नहीं वसूली जाएगी। पीएनबी का उद्देश्य है कि इस नियम को ख़त्म करते हुए ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और कम आय वाले लोगों को भी बैंक से जोड़ा जा सके। इस बारें में बैंक प्रबंधन का कहना है कि इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। यानी ज्यादा से ज्यादा लोग बैंकिंग सेवाओं से जुड़ेंगे। इससे ग्राहकों को भी फायदा होगा। अब उन्हें अपने खातों में न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने की फ़िक्र नहीं रहेगी। पंजाब नेशनल बैंक का कहना है कि यह निर्णय महिलाओं, किसानों और न्यून आय वाले परिवारों को ध्यान में रखकर लिया गया है। इन लोगों को बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल करने में आसानी होगी।

आरबीआई ने कहा- वैध हैं 2000 के नोट लेन-देन में कर सकते हैं उपयोग

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि 2000 के नोट अभी भी लीगल टेंडर हैं यानी आप इनका उपयोग खरीदारी या भुगतान के लिए कर सकते हैं। हालांकि, इन्हें धीरे-धीरे सिस्टम से हटाने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि बैंकों में 2000 के नोट बदलवाने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 को समाप्त हो गई थी, लेकिन आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस अब भी यह सेवा दे रहे हैं। लोग वहां जाकर अपने नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें बदल सकते हैं। अगर आप आरबीआई के ऑफिस तक नहीं जा सकते, तो भारतीय डाक सेवा के जरिए भी नोट भेजे जा सकते हैं। डाकघर से नोट आरबीआई को भेजने पर वह राशि आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चुनाव: कार्यकारिणी बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा की जाएगी

नामांकन को छोड़ सबकुछ पहले से तय था, औपचारिक घोषणा आज

संवाददाता ● भोपाल

घोषणा

मध्यप्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में हेमंत खंडेलवाल का नाम तय हो चुका है। मंगलवार को नामांकन की अंतिम समय-सीमा तक किसी अन्य दावेदार के सामने न आने से यह स्पष्ट हो गया कि खंडेलवाल निर्विरोध अध्यक्ष बनाए जाएंगे। संगठन में संतुलन बनाए रखने की रणनीति के तहत यह नियुक्ति की गई, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संघ की सहमति ने अंतिम रूप दिया। बुधवार को कार्यकारिणी बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा की जाएगी। मध्य प्रदेश भाजपा का नया संगठन प्रमुख तय हो चुका है। बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल निर्विरोध रूप से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने पार्टी कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। नामांकन की समय-सीमा समाप्त होने तक किसी अन्य दावेदार ने पर्चा नहीं भरा, जिससे यह तय हो गया कि बुधवार को कार्यकारिणी की बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

अकेले पहुंचे भाजपा कार्यालय

मंगलवार को पूरे दिन भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चा गर्म रही। दोपहर दो बजे से ही वरिष्ठ नेताओं का पार्टी कार्यालय आना शुरु हो गया था। करीब 4:30 बजे हेमंत खंडेलवाल अकेले कार्यालय पहुंचे, वहीं थोड़ी देर बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य वरिष्ठ नेता भी वहां पहुंचे।

सीएम बने प्रस्तावक

नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं खंडेलवाल के प्रस्तावक बने और उन्हें मंच तक ले गए। इस दौरान केंद्रीय चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सरोज पांडे और निर्वाचन अधिकारी विवेक शेजवलकर मंच पर उपस्थित थे। नामांकन दाखिल करने की समय-सीमा शाम 6:30 बजे तक थी, जिसके भीतर केवल हेमंत खंडेलवाल ने पर्चा दाखिल किया। रात 8 बजे तक नामांकन पत्र की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण कर अंतिम सूची जारी की गई।

राष्ट्रीय परिषद के 44 सदस्य भी चुने जाएंगे

इसी चुनाव प्रक्रिया के तहत भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के लिए भी 44 नामों का नामांकन हुआ है, जिनकी घोषणा भी बुधवार को की जाएगी। संगठन की बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष के साथ इन नामों पर भी अंतिम मुहर लगेगी।

संतुलन रखने की कवायद

संगठन में सामाजिक संतुलन बनाए रखने की पार्टी की रणनीति इस बार फिर दिखी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ओबीसी वर्ग से, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा अनुसूचित जाति से, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ब्राह्मण वर्ग से आते हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष पद एक बार फिर सामान्य वर्ग से हेमंत खंडेलवाल को सौंपा गया है। पहले अटकलें थीं कि यह पद आदिवासी या महिला नेता को मिल सकता है ।

अनुपस्थिति बनी चर्चा का विषय

नामांकन प्रक्रिया के दौरान पार्टी के लगभग सभी बड़े नेता मौजूद रहे, लेकिन कैलाश विजयवर्गीय, नरोत्तम मिश्रा जैसे वरिष्ठ नेता उपस्थित नहीं थे। सूत्रों के अनुसार, नरोत्तम मिश्रा खुद इस पद के दावेदार थे, जबकि कैलाश विजयवर्गीय की हेमंत खंडेलवाल के नाम पर असहमति की चर्चा पहले से ही चल रही थी। हालांकि, आधिकारिक रुप से इनकी अनुपस्थिति का कारण व्यक्तिगत कारण बताया गया है, लेकिन अंदरुनी नाराजगी से इनकार नहीं किया जा रहा।

शॉट न्यूज

ब्रिज पर कार पलटी, वहीं पर वैन टकराई

भोपाल। भोपाल के प्रभात नगर से एमपी नगर की ओर जाने वाले ब्रिज पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार एसयूवी कार बेकाबू होकर पलट गई। इसी जगह बुधवार करीब सुबह 8 बजे एक स्कूली वैन डिवाइडर से टकरा गई। वैन में स्कूली बच्चे सवार थे। दोनों ही मामलों में थाना प्रभारियों ने जानकारी होने से इनकार किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक क्रेटा कार ब्रिज पर तेज रफ्तार में दौड़ती दिखाई दे रही है। पीछे चल रहे राहगीर इसका वीडियो बना रहे थे। तभी कार कुछ दूरी पर जाने के बाद डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार का एक पहिया टूटकर सड़क पर गिर गया। राहगीरों ने कार में फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला। तीनों होश में थे, जिसके बाद उन्हें जेपी अस्पताल पहुंचाया गया। किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। कार में टैक्सी नंबर प्लेट लगी थी।

7 करोड़ की धोखाधड़ी! फर्जी 'फॉर्म 49' से लूटे करोड़ों...

नीमच। शासन के साथ 7 करोड़ 34 लाख की धोखाधड़ी करने वाले दो शासकीय सेवकों और एक व्यापारी को विशेष न्यायालय ने 5-5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। फैसला विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम राकेश कुमार शर्मा ने सुनाया। जानकारी अनुसार दोषियों में तत्कालीन वाणिज्यिक कर अधिकारी वृत्त नीमच राजू मंडोरिया (48) तत्कालीन वाणिज्यिक कर निरीक्षक सुभाषचंद्र परिहार (62) और व्यापारी सोनू रूगवानी उर्फ रूघवानी उर्फ दादवानी, 37 वर्ष शामिल हैं। सोनू नीमच की सिंधी कॉलोनी का निवासी है, जबकि दोनों शासकीय सेवक रतलाम के मूल निवासी हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने तीनों को कठोर सजा सुनाई।

गांव में मचा हड़कंप तो दौड़ते हुए पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

भिंड। जिले के अमलेहड़ी गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के बाद प्रसाद खाने से 70 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। सोमवार शाम को हुई इस घटना के बाद 15 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रसाद में बांटी गई मिठाई में मिलावटी घी होने का शक है। जांच के लिए सैंपल भेजे गए हैं और गांव में तीन दिन का हेल्थ कैंप लगाया जा रहा है। दरअसल, भिंड जिले के बरोही थाने के अंतर्गत अमलेहड़ी गांव में राधाकृष्ण तोमर नाम के एक व्यक्ति ने अपने 11 महीने के बेटे शौर्य के लिए पूजा का आयोजन किया था। सोमवार दोपहर के आसपास हुई इस पूजा के बाद लगभग 10 किलो आटे से 'पुआ' बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा गया था। प्रसाद खाने के कुछ ही घंटों के भीतर लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि अब सभी मरीज खतरे से बाहर हैं।

संजीव कुमार झा बने नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

सुखबीर सिंह पीडब्ल्यूडी में प्रमुख सचिव

संवाददाता ● भोपाल

नियुक्त

सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश में चार वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। 1996 बैंच के आईएएस संजीव कुमार झा वर्तमान में राजस्व मंडल ग्वालियर में सदस्य के रूप में पदस्थ है, उनको मध्य प्रदेश का नया मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वे विधि एवं विधायी कार्य विभाग के पदेन प्रमुख सचिव (केवल निर्वाचन कार्य के लिए) होंगे। वहीं, 1997 बैंच के आईएएस अधिकारी और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखबीर सिंह को लोक निर्माण विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को लोक निर्माण विभाग (PWD) के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

इसके अलावा 2004 बैंच के आईएएस रघुराज एम आर को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग से हटाकर अब सचिव, श्रम विभाग नियुक्त किया गया है। खनिज साधन एवं पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव श्रम विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। 2006 बैंच के आईएएस अनिल सुचारी को सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग को स्थानांतरित कर अब आयुक्त, सागर संभाग बनाया गया है। वहीं, मुकेश चंद्र गुप्ता वर्तमान में सचिव, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के सचिव मुकेश चंद्र गुप्ता को सदस्य, राजस्व मंडल, ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव तथा राहत एवं पुनर्वास आयुक्त विवेक कुमार पोरवाल को प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

शादी के 18 घंटे बाद खुला राज, दूल्हा बोला

'राजपूत नहीं, यादव हैं हम'

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में हुई एक शादी महज 18 घंटे ही चली। शादी के 18 घंटे बाद कुछ ऐसा हुआ कि दूल्हे ने ही दुल्हन को अपने साथ रखने से मना कर दिया। इस शादी के टूटने के पीछे वजह बताई गई है कि दुल्हन ने अपनी जाति को गलत बताते हुए शादी की थी। दुल्हन ने शादी से पहले खुद को राजपूत बताया था लेकिन जब उसकी असली जाति शादी के 18 घंटे बाद दूल्हे को पता चली तो उसने दुल्हन को साथ रखने से ही इनकार कर दिया और कहा कि वह इस शादी को नहीं मानता। 18 घंटे चली इस शादी का मामला शिवपुरी जिले से सामने आया है। जिले के करैरा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की शादी झांसी जिले के रक्सा थाना क्षेत्र के बसाई गांव निवासी एक युवक से हुई थी। शादी होने के महज 18 घंटे ही गुजरे थे कि दूल्हे को पता चला कि लड़की की असली जाति राजपूत नहीं बल्कि यादव है। बस क्या था दूल्हे ने दुल्हन को अपने साथ रखने से साफ इनकार कर दिया। दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों से विवाह किया था। हालांकि ये रिश्ता जातिवाद की बलि चढ़ गया। बाद में दोनों परिवार थाने पहुंचे और आपसी सहमति से रिश्ता खत्म कर दिया। इन दोनों की शादी बाकायदा मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर सात फेरे लेते हुए जयमाला पहनाकर हुई थी। हिंदू रीति रिवाज से मंत्र भी पढ़े गए और पुजारी के साथ कई रिश्तेदार गवाह के रूप में शामिल थे। यह शादी 18 घंटे से ज्यादा नहीं चल सकी क्योंकि इसमें जाति सामने आ गई। शादी समारोह में शामिल हुए दोनों परिवारों के बीच जश्न का माहौल था और सभी खुशी से झूम रहे थे इसी बीच दुल्हन के भाई ने शराब पी और नशे में स्वीकार कर लिया कि वे लोग राजपूत नहीं हैं।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 के लिए

'9 वें फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान की घोषणा

संवाददाता ● मुंबई

घोषणा

देश की सबसे बड़ी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 सीजन के लिए योजना लागू करने वाले राज्यों में अपना 'फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। यह एक हफ्ते तक चलने वाली पहल है, जिसका मकसद किसानों को फसल बीमा के फायदे समझाना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) में ज्यादा से ज्यादा किसानों को शामिल करना है। किसानों को मौसम से होने वाले नुकसान से बचाने में फसल बीमा की अहमियत को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन (IEC) से जुड़ी कई गतिविधियां शुरू की हैं। ये कोशिशें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, असम, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे छह बड़े राज्यों के शहरों और गांवों में की जाएंगी।

अभियान के हिस्से के रूप में, फसल बीमा पाठशालाएं लगेंगी, किसानों के लिए बड़े स्तर की कार्यशालाएं होंगी और लोगों में जागरूकता और बातचीत को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग तरह की एक्टिविटी की जाएंगी। इसके अलावा महिला किसानों के लिए खास सेशंस रखे जाएंगे और अगली पीढ़ी के कृषि नेताओं को जागरूक करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में युवा-केंद्रित वर्कशॉप भी करवाई जाएंगी। इस पहल के बारे में बात करते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री नवीन चंद्र झा ने कहा, ' PMFBY जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अनिश्चितताओं से किसानों को बचाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। एसबीआई जनरल में हमारा मकसद सिर्फ सुरक्षा देना नहीं है, बल्कि किसानों को जानकारी देकर उन्हें आत्मविश्वास से मजबूत बनाना भी है। इस खास जागरूकता अभियान के जरिए हम जानकारी की कमी को खत्म करना चाहते हैं और योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ना चाहते हैं।

इस अभियान का मकसद सिर्फ PMFBY के बारे में जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि लोगों को अपनी भाषा और समझ के मुताबिक समझाने के लिए नुक्कड़ नाटक, बाइक रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे इवेंट आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, इस काम में संस्थाओं का साथ भी जरूरी रहेगा, जिसमें राज्य और जिला स्तर के अफसरों, बैंक कर्मियों, कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) और खेती से जुड़े लोगों के साथ तय बैठकें शामिल रहेंगी, ताकि जमीन पर सही तरह से योजना लागू हो सके। इस अभियान को ज्यादा असरदार बनाने के लिए, इसमें अलग-अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर क्षेत्रीय भाषा में तैयार कंटेंट का इस्तेमाल होगा, जैसे कि जानकारी देने वाली पोस्ट, अफसरों और प्रभावशाली लोगों के छोटे वीडियो, किसानों के अनुभव और असरदार तरीके से कहानियों के जरिये संदेश देना। पिछले कुछ सालों से लगातार किए गए अपने प्रयासों से, एसबीआई जनरल ने गांवों की आजीविका को सुरक्षित करने और देश की खेती से जुड़ी व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी प्रतिबद्धता को बार-बार साबित किया है।

बारिश के साथ ही आकर्षक बना खजुराहो का रानेह जलप्रपात

मध्य प्रदेश में अनेक झरनों के बीच एक अनजान, रानेह जलप्रपात खजुराहो शहर से लगभग 22 किमी दूर स्थित है। यह खूबसूरत और अपनी तरह का अनूठा झरना केन नदी पर स्थित है, जो एक खूबसूरत घाटी में होने से इसकी सुंदरता और बाद जाती है। वर्तमान में बारिश शुरु होने से यहां का सौंदर्य देखते ही बनता है।

भोपाल में सुबह से हो रही बारिश, 4 दिन बदला रहेगा मौसम

एमपी के 18 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता ● भोपाल

अलर्ट

मध्य प्रदेश में लगातार बारिश का दौर चल रहा है। बुधवार को 18 जिलों में अति भारी या भारी बारिश होने का अलर्ट है। भोपाल में सुबह से जोरदार बारिश हो रही है। 8 जिले ऐसे हैं, जहां 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिन तक प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहेगा। इसकी वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश का दौर चलेगा। बुधवार को जिन आठ जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट है, उनमें नीमच, मंदसौर, रतलाम, सीधी, सिंगरौली, मंडला, डिंडौरी और बालाघाट शामिल हैं। भोपाल, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, राजगढ़, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, शिवपुरी, निवाड़ी, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, शहडोल और अनूपपुर में भारी बारिश होने की संभावना है। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

अगले चार दिन में और स्ट्रांग होगा सिस्टम

मौसम विभाग के अनुसार, एक मानसून टर्फ एमपी के ऊपर से गुजर रही है। वहीं, एक अन्य टर्फ और एक लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) भी एक्टिव है। इस वजह से तेज बारिश का दौर चल रहा है। यह सिस्टम और स्ट्रॉन्ग होगा। इससे अगले 4 दिन तक तेज बारिश जारी रहेगी। 5 जुलाई को सिस्टम सबसे ज्यादा स्ट्रॉन्ग रहेगा। इस दिन के लिए कुल 48 जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है।

बालाघाट में पौने 2 इंच बारिश

प्रदेश में मंगलवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। राजधानी भोपाल में दोपहर में कुछ देर के लिए बारिश हुई। वहीं, बालाघाट में सबसे ज्यादा पौने 2 इंच पानी बरस गया। सीधी में सवा इंच, श्योपुर-सिवनी में 1 इंच, बैतूल, शिवपुरी-मंडला में पौन इंच और पचमढ़ी, छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर में आधा इंच पानी गिरा। दतिया, गुना, नर्मदापुरम, छतरपुर, रायसेन, जबलपुर, रीवा, टीकमगढ़, उमरिया, मऊगंज, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, सीहोर समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा।

प्रदेश में ऐसा रहेगा मौसम

3 जुलाई : सिंगरौली में अति भारी बारिश हो सकती है। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, गुना, विदिशा, नीमच, छतरपुर, दमोह, जबलपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, कटनी, उमरिया, शहडोल, मंडला और अनूपपुर में भारी बारिश का अलर्ट है।

4 जुलाई : जबलपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज और सीधी में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। ग्वालियर, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, धार, राजगढ़, हरदा, सीहोर, विदिशा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, कटनी, मैहर, सिंगरौली, निवाड़ी, छतरपुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड में भारी बारिश का अलर्ट है।

5 जुलाई : नीमच, मंदसौर, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सागर,दमोह, सतना, सीधी, सिंगरौली, कटनी, उमरिया, सिवनी और मंडला में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। भोपाल, जबलपुर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, धार, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर में भारी बारिश हो सकती है।

चेन्नई वाले घर में जान्हवी की माँ श्री देवी की यादें हैं

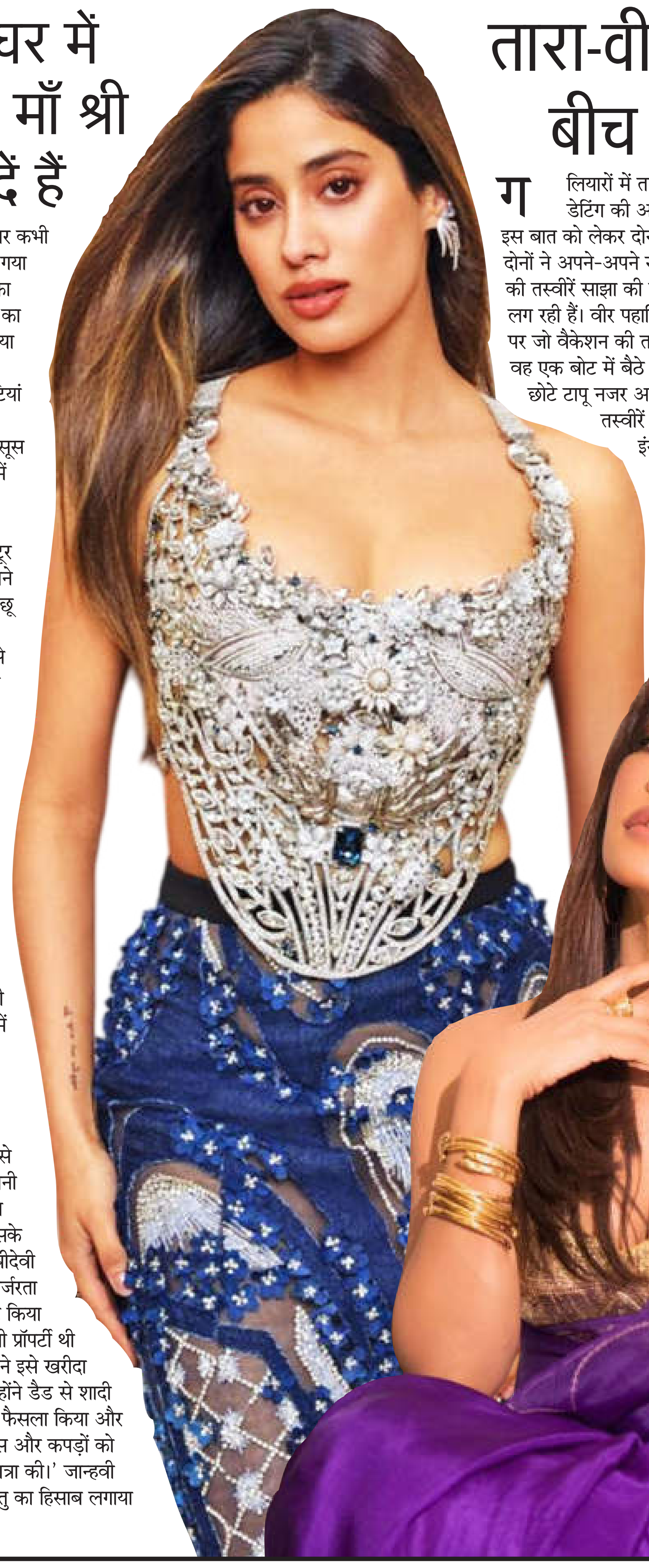

चेन्नई में कपूर परिवार का घर कभी दिवंगत श्रीदेवी का किया गया पहला बड़ा निवेश था। अब उनका परिवार वहीं रहता है। बोनी कपूर का प्यार से फिर से डिजाइन किया गया यह घर गहरा बहुत खास है और यह ऐसी जगह है जहां उनकी बेटियां जान्हवी और खुशी कपूर अक्सर अपनी मां की यादों के करीब महसूस करने के लिए आती हैं। हाल ही में कुछ ऐसा ही हुआ, जब जान्हवी कपूर ने अपनी मां का पूरा घर दिखाया। हाल ही में वोग हाउस टूर में, जान्हवी कपूर ने फैंस को अपने चेन्नई वाले घर की एक दिल को छू लेने वाली झलक दिखाई। उन्होंने दर्शकों का स्वागत साइड एंट्रेंस से किया, जो एक आरामदायक और सोच-समझकर डिजाइन किए गए रहने की जगह है। घर में एक विंटेज टच है जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है, इसकी दीवारों पर दुनिया भर से इकट्ठा की गई कलाकृतियां और खजाने लगे हैं। क्लासिक झूमर ऊपर लटके हुए हैं, जो बहुत बड़ा है। घर की सजावट एक बोल्ड स्टेटमेंट देती है, लेकिन आरामदायक कोनों बाकी के एरिया को देखकर आपका मुंह भी खुला रह जाएगा। लिविंग एरिया में आलीशान, बड़े आकार के सोफे हैं। अपने पिता के प्राइवेट क्वार्टर की एक दिल को छू लेने वाली झलक में, जान्हवी ने ऐसी जगह दिखाई जो सचमुच पर्सनल टच से भरी हुई है, जिसमें उनके पिता बोनी कपूर के फोटो कलेक्शन हैं, जैसा कि जान्हवी प्यार से कहती हैं। इसके अलावा, जान्हवी ने बताया कि श्रीदेवी के निधन के बाद लीकेज और जर्जरता के कारण घर को फिर से रिनोवेट किया गया। जान्हवी ने कहा,' यह पहली प्रॉपर्टी थी जिसे मां ने खरीदा था। जब उन्होंने इसे खरीदा था, तब यह बहुत अलग था। उन्होंने डैड से शादी करने के बाद इसे ठीक करने का फैसला किया और इन दिलचस्प कलाकृतियों, पेंटिंग्स और कपड़ों को खोजने के लिए पूरी दुनिया की यात्रा की।' जान्हवी ने घर में अंदर जाने के लिए वास्तु का हिसाब लगाया और उसी के अनुसार एंट्री की।

तारा-वीर पहाड़िया ने डेटिंग की अफवाह के बीच एक जैसी वैकेशन पोस्ट की साझा

गलियारों में तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया की डेटिंग की अफवाह सुनने को मिल रही है। मगर इस बात को लेकर दोनों ने चुप्पी साधी है। हाल ही में दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया पेज पर वैकेशन की तस्वीरें साझा की हैं, जो देखने में एक जगह की लग रही हैं। वीर पहाड़िया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो वैकेशन की तस्वीर शेयर की हैं, उसमें वह एक बोट में बैठे हैं, पीछे कुछ छोटे-छोटे टापू नजर आ रहे हैं। इसी तरह की तस्वीरें तारा सुतारिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लगाई है। दोनों फोटो देखने में एक ही जगह की लगती हैं। इससे लगता है

कि तारा और वीर एक ही जगह पर वैकेशन मना रहे हैं। वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया की डेटिंग की अफवाह तब शुरू हुई, जब कुछ महीनों पहले इन्हें एक रेस्तरां में साथ देखा गया। दोनों को साथ में एक इवेंट में रैंप वॉक करते हुए भी देखा गया। तब भी इनके बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री नजर आई। तारा और वीर दोनों ही पहले बॉलीवुड से जुड़े लोगों को डेट कर चुके हैं। तारा पहले करीना कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर चुकी हैं। इसी तरह वीर का नाम भी पहले सारा अली खान से जोड़ा गया था। दोनों अब भी अच्छे दोस्त हैं। वीर पहाड़िया ने इसी साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है, अक्षय कुमार के साथ वह फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आ चुके हैं। वहीं तारा ने भी अब तक कई फिल्में की हैं। अगले साल तारा पैन इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

क्यों चित्रांगदा सिंह के हाथ से निकली थी शाहरुख खान की 'चलते-चलते'

बोली-पछतावा यह था कि....

फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आईं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह इस बात से खुश हैं कि उन्हें मेकर्स ने कामेडी रोल देने के बारे में सोचा। बतौर निर्माता भी चित्रांगदा एक बायोपिक फिल्म को लेकर तैयारियां कर रही हैं। 'हाउसफुल' के बॉक्स आफिस कलेक्शन से कितनी खुशी मिल रही है? हां, दिल हाउसफुल है। पहली बार कॉमेडी कर रही थी। सबसे बड़ी स्टारकास्ट और बड़ी फ्रेंचाइज का हिस्सा बनी। अक्षय कुमार की कॉमिक टाइमिंग कमाल की है। मुझे कुछ अलग करने का मौका मिला। फिल्म में कलाकारों की भीड़ थी। उसमें खुद को साबित करने को लेकर मन में सवाल थे? हां, बिल्कुल था। सबसे बड़ा सवाल था मैंने कॉमेडी नहीं की है, फिल्म में इतने स्टार्स थे, जो कॉमेडी में माहिर हैं। मैं इस फ्रेंचाइज में नई थी। बड़ा रिस्क या चैलेंज था कि हां तो कर दी है, लेकिन साबित कैसे करूंगी। निर्माता साजिद (नाडियाडवाला) ने मुझे खुद बताया कि मैंने तरुण (मनसुखानी) से कहा था कि चित्रांगदा कैसे करेगी, लेकिन तरुण आश्वस्त थे कि मैं कर लूंगी। जब फराह खान ने मुझे 'जोकर' फिल्म का गाना काफिराना... ऑफर किया, तो उन्होंने मुझे डांस करते हुए नहीं देखा था। 'देसी ब्वॉयज' में जितना डांस किया था, बस उतना देखा था। लेकिन इतने बड़े गाने में लेना, जो काफी महंगा गाना था, मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। उसमें कई आर्टिस्ट और डांसर थे, चार रातों में गाना शूट हुआ था। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका मुझ पर भरोसा था कि मैं यह कर पाऊंगी। मैंने इस फिल्म में काम किया है, इसलिए ऐसा नहीं कह रही हूं , पर मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ। सच में मुझे ऐसा लगता है कि हर तरह की फिल्म बनती हैं, हर तरह की कॉमेडी होती है। कोई इरादा नहीं होता है कि किसी लड़की को आब्जेक्टिफाइ किया जाए, हर चीज में सेंस आफ ह्यूमर का संतुलन बनाना चाहिए। अगर हम हर चीज को इतनी गंभीरता से ले लेंगे, एक ही मानक पर तोलेंगे, तो सांस भी नहीं ले सकते हैं।

हीरो बनने आए इस एक्टर को बनना पड़ा विलेन

रिजेक्ट की 2 फिल्में जिन्होंने अमिताभ को बनाया स्टार

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई एक्टर्स हीरो बनने का सपना लेकर आते हैं, लेकिन कुछ होते हैं जिनका सपना पूरा होता है तो कुछ विलन बनकर ही दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही एक्टर के बारे में बताने वाले हैं जो बनने आए थे हीरो, लेकिन विलन बनकर करियर शुरू किया और इनकी ही रिजेक्ट की गई फिल्मों से अमिताभ बच्चन सुपरस्टार बन गए थे। हम जिनकी बात कर रहे हैं वह हैं शत्रुघ्न सिन्हा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब शत्रुघ्न मुंबई आए तब वह हीरो बनना चाहते थे, लेकिन उनके चेहरे पर जो निशान था इससे उन्हें काम नहीं मिल रहा था हीरो का। देव आनंद ने फिर उन्हें बताया कि वो निशान उनकी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है। शुरू में शत्रुघ्न को छोटे रोल मिल रहे थे। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में विलेन के किरदार निभाए। शत्रुघ्न की फिल्मों में अच्छी परफॉर्मेंस देख कई फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर्स उनसे इम्प्रेस हुए और उन्हें हीरो के रोल मिलने लगे। लेकिन शुरू में उनकी फिल्में चली नहीं। 1975 में रिलीज हुई उनकी फिल्म कालीचरण से शत्रुघ्न को बड़ी सक्सेस मिली। इसके बाद अब क्या होगा, खान दोस्त, यारों का यार और दिल्लगी जैसी फिल्में करने के बाद वह इंडस्ट्री के सक्सेसफुल एक्टर्स में से एक थे। शत्रुघ्न का फिर खामोश डायलॉग काफी पॉपुलर हुआ और आज भी जब उनका नाम लिया जाता है तो खामोश वर्ड भी यूज किया जाता है। वैसे तो शत्रुघ्न ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन उन्हें 2 फिल्मों को रिजेक्ट करने का अफसोस भी काफी है।

राजकुमार राव ने बताया कैसे फिल्माया ट्रेलर का आखिरी सीन

राजकुमार राव अपनी अपकमिंग फिल्म 'मालिक' में काफी धमाकेदार रोल के साथ नजर आने वाले हैं। एक्टर को हमने कभी एक्शन फिल्म या फुल इंटेस किरदार में नहीं देखा है, लेकिन अब उनकी अपकमिंग फिल्म 'मालिक' में उनका जो रोल होने वाला है, उसकी उम्मीद उनके फैंस को बिल्कुल भी नहीं होगी। 1 जुलाई को 'मालिक' फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें राजकुमार राव का नया अवतार दिखने वाला है। हाथ में बंदूक, शरीर पर खून के धब्बे और खतरनाक लुक... कुछ इस तरह के अवतार में राजकुमार राव अपनी फिल्म 'मालिक' में दिख रहे हैं। मारधाड़ के साथ फिल्म में दमदार डायलॉग भी शामिल है। जिसकी वजह से फिल्म को देखने की बेसब्री काफी बढ़ जाती है। हालांकि 2.45 मिनट के इस ट्रेलर को देखकर ही आप राजकुमार राव की तारीफ करने लगेंगे, लेकिन उसमें भी ट्रेलर के आखिरी सीन को देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गई। 'मालिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में एक्टर ने आखिरी सीन के शूट होने के बारे में बात की है। दरअसल, पहले सीन की बात कर ली जाए, तो एक्टर सीन में काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। बड़ी आंखें, चेहरे पर खून के छींटे और हाथ में रस्सी, जिस पर चार लोग लटक रहे हैं। सीन अपने आप में ही कमाल का है, जिसमें बेरहमी, गुस्सा, तड़पना सारा कुछ दिखाया गया है। एक्टर ने इस सीन को फिल्माने के बारे में बात करते हुए कहा कि एक एक्टर के तौर पर वो मेरे लिए भी अलग एक्सपीरियंस था। ट्रेलर के आखिरी सीन की शूटिंग को याद करते हुए राजकुमार राव ने कहा, मैं बहुत ही इंपल्सिव एक्टर हूं, मैं खुद को पहले प्रीपेयर नहीं करता कि मुझे सीन कैसे करना है। मैं अपने कैरेक्टर, सिचुएशन और एनवायरमेंट के बारे में सोचता हूं, लेकिन फिर बस हो जाता है। जब मैंने पहला टेक लिया, तो डायरेक्टर पुलकित ने कहा कि कुछ हो गया है, इसको और जमा के करते हैं। उसके बाद कुछ हो गया था और मैंने दो-तीन टेक लिए और फिर शूट हो गया। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मैंने भी एक सिंगल शॉट के लिए इतना कुछ एक्सपीरियंस नहीं किया था।

'रामायण' के सेट पर 'राम' बने रणबीर

रणबीर कपूर अपनी अपकमिंग फिल्मों के लिए काफी तैयारियां कर रहे हैं। 'एनिमल' के बाद से ही जिस पिक्चर का काम निपटा रहे हैं, वो Ramayan है। यूं तो उसकी रिलीज से पहले वो संजय लीला भंसाली की पिक्चर में दिखेंगे. पर 'रामायण' का पहला पार्ट दिवाली 2026 में आएगा। वहीं दूसरा 2027 में. इसी बीच एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जहां पूरी टीम के साथ वो खड़े हैं और कुछ बोलते हुए इमोशनल हो जाते हैं। दरअसल X पर रणबीर कपूर के फैन अकाउंट की तरफ से एक वीडियो शेयर किया गया है। इस पर लिखा है- रामायण लाइव एक्शन, शूटिंग खत्म. वीडियो में नीतेश तिवारी भी नजर आ रहे हैं। वहीं सेट पर रणबीर कपूर के साथ रवि दुबे भी मौजूद थे। रणबीर कपूर ने 'रामायण' की टीम और वहां मौजूद डायरेक्टर और स्टार्स की तारीफ की। साथ ही कहते दिखे कि- "अंत में यह मुश्किल है, लेकिन आगे भी काम करेंगे." वहीं रणबीर कपूर थोड़े मायूस दिख रहे थे। लंबे वक्त तक शूटिंग करने बाद आखिर दिन पर भावुक होते नजर आए। दरअसल फिल्म रामायण पार्ट 1 का काम खत्म हो चुका है। वहीं उनके बाद रवि दुबे भी अपना एक्सपीरियंस शेयर करते दिखाई दिए। सबके बोलने के बाद सेट पर केक कटिंग हुई और आखिर में रणबीर कपूर ने रवि दुबे को गले लगाया। दोनों का यह वीडियो से तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल रवि दुबे फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाते नजर आएंगे। यूं नीतेश तिवारी की फिल्म का अबतक कोई पोस्टर रिलीज नहीं किया गया है। सिर्फ रिलीज डेट सामने आई थी। पर जल्द फैन्स को बड़ा सरप्राइज मिलने वाला है।

अनुष्का शर्मा की नेटवर्थ जानकर उड़ जाएंगे होश

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भारत के सबसे चर्चित और पावरफुल कपल्स में से एक हैं। दोनों की फैन फॉलोइंग सिर्फ क्रिकेट और फिल्मों तक सीमित नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त है। विराट जहां दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों में शामिल हैं, वहीं अनुष्का शर्मा की नेटवर्थ भी लोगों को हैरान कर देती है। शादी के बाद भले ही अनुष्का ने एक्टिंग से दूरी बना ली हो, लेकिन उनके इनकम के सोर्स आज भी काफी मजबूत हैं। बता दें कि फिल्में, विज्ञापन और बिजनेस मिलाकर अनुष्का शर्मा की कुल नेटवर्थ करीब 255 करोड़ है। वह एक फिल्म के लिए करीब 10 से 15 करोड़ रुपए और एक विज्ञापन के लिए करीब 3 करोड़ तक चार्ज करती हैं। अनुष्का ने साल 2008 में फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में कदम रखा और फिर बैंड बाजा बारात, सुल्तान, ऐ दिल है मुश्किल और परी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई। वह एक्टिंग के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। उनका प्रोडक्शन हाउस वेब सीरीज और फिल्में बनाता है, जिससे उन्हें अच्छा खासा मुनाफा होता है। इसके अलावा अनुष्का का एक खुद का फैशन ब्रांड भी है, जो यंग ऑडियंस को टारगेट करता है। ब्रांड एंडोर्समेंट और बिजनेस वेंचर्स से उनकी कमाई लगातार बढ़ रही है। बॉलीवुड की इस पावरफुल एक्ट्रेस की लग्जरी लाइफस्टाइल भी चर्चा में रहती है। अनुष्का के पास रेंज रोवर वोग, ऑडी Q8, बीएमडब्ल्यू 7 और रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी जैसी लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 10 करोड़ से ज्यादा है। अनुष्का और विराट के पास मुंबई में एक सी-फेसिंग अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत 34 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। इसके अलावा दोनों के पास कई शहरों में इन्वेस्टमेंट प्रॉपर्टीज हैं। हालांकि, वो मीडिया और लाइमलाइट से थोड़ी दूरी बनाए रखती हैं, लेकिन उनकी क्लासी लाइफस्टाइल और कमाई उन्हें टॉप ए-लिस्ट एक्ट्रेसेस में शामिल करती है।

हसीन जहां के साथ डिवोर्स केस में शमी को कोर्ट से बड़ा झटका, एलिमनी में देने होंगे लाखों

एजेंसी ● कोलकाता

स्टार भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी अलग रह रही पत्नी, हसीन जहां को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। शमी और हसीन के बीच कानूनी विवाद कई सालों से चल रहा है।

शमी को देने होंगे लाखों रुपये

कोर्ट ने मोहम्मद शमी को हर महीने 4 लाख रुपये एलिमनी के तौर पर देने को कहा है। इसमें से 1.5 लाख रुपये हसीन जहां के खर्चों के लिए और 2.5 लाख रुपये उनकी बेटी आयरा के रखरखाव के लिए होंगे। जस्टिस अजय मुखर्जी ने हसीन जहां की याचिका पर यह आदेश दिया है। पहले हसीन जहां ने 7 लाख रुपये महीने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अब कलकत्ता हाई कोर्ट ने शमी की सालाना आय को देखते हुए यह फैसला सुनाया है।हसीन जहां और मोहम्मद शमी का विवाद काफी पुराना है। हसीन जहां ने पहले शमी से 7 लाख रुपये महीने की एलीमनी मांगी थी। उस समय कोर्ट ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था। कोर्ट का कहना था कि हसीन जहां मॉडलिंग से पैसे कमाती हैं। हसीन जहां ने हार नहीं मानी और फैसले को चुनौती दी। पहले अलीपुर कोर्ट ने शमी को अपनी पत्न ी और बच्चे के लिए 80,000 रुपये महीने देने का आदेश दिया था। बाद में, जिला जज ने इस आदेश में बदलाव किया। उन्होंने शमी को अपनी पत्नी के लिए 50,000 रुपये और बच्चे के लिए 80,000 रुपये महीने देने को कहा।

हसीन जहां को यह 1.3 लाख रुपये का एलीमनी ऑर्डर मंजूर नहीं था। इसलिए उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट में अपील की। उन्होंने कहा कि उनका महीने का खर्चा लगभग 6.5 लाख रुपये है। हसीन जहां का कहना है कि शमी की सालाना इनकम लगभग 7.5 करोड़ रुपये है। उनके पास पैसे होने के बावजूद, वह अपनी पत्नी और बच्चे के लिए जरूरी पैसे नहीं दे रहे हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शमी की इनकम को ध्यान में रखते हुए 4 लाख रुपये महीने का ऑर्डर दिया है।इस पूरे मामले में मोहम्मद शमी की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। देखना होगा कि वह कोर्ट के इस फैसले पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। यह मामला अभी और आगे बढ़ सकता है।

व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन की चुनौतियां

पेशेवर स्तर पर, शमी को हमेशा एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के रूप में देखा गया है, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर कई मुद्दों से निपटना पड़ा है। शमी और उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां के बीच संबंध खराब होने के बाद, उन पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। उनकी पत्नी ने तो तेज गेंदबाज पर 'मैच फिक्सिंग' का आरोप भी लगाया था, जिसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने जांच की थी।

जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने उड़ाई इंग्लैंड की धज्जियां, दूसरे टी20 में भारत को 24 रन से मिली जीत

एजेंसी ● ब्रिस्टल

जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर की दमदार बल्लेबाजी से भारत ने दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड को 24 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने पांच टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। मुकाबले में भारतीय टीम ने जेमिमा और अमनजोत के शानदार खेल से निर्धारित 20 ओवर के खेल में 4 विकेट के नुकसान पर 181 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मेजबान इंग्लैंड 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 157 रन का स्कोर ही खड़ा कर पाई। इस तरह टीम इंडिया ने बैक टू बैक दो मैचों में जीत हासिल की।

ब्रिस्टल के सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में जेमिमा 63 रनों की पारी खेली। जेमिमा के अलावा अमनजोत कौर ने भी नाबाद 63 रन बनाए। अमनजोत उनके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। अमनजोत और जेमिमा के बीच बल्लेबाजी में 55 गेंदों में 93 रनों की शानदार साझेदारी हुई थी। बता दें कि टीम इंडिया ने पहले टी20 मैच को 97 रन से जीत था।

टीम इंडिया की शुरूआत नहीं थी खास

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरूआत कुछ खास नहीं रही थी। भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा के रूप में सिर्फ 14 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद स्मृति मंधाना भी 13 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर भी सिर्फ 1 रन बना पाईं। इस तरह टीम इंडिया ने सिर्फ 31 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन यहां से जेमिमा और अमनजोत ने मिलकर भारतीय टीम को ना सिर्फ संभाला बल्कि एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने किया कमाल

बल्लेबाजी के बाद टीम इंडिया ने गेंदबाजी में भी अपना कमाल दिखाया। टीम इंडिया के द्वारा दिए 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान इंग्लैंड की टीम को सिर्फ 17 रन के स्कोर 3 बड़े झटके दे दिए। इसके अलावा भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड को एक-एक रन बनाने के लिए तरसाया। टीम इंडिया की सबसे सफल बॉलर श्री चारणी रहीं, जिन्होंने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया।

वही धार, वैसा ही एक्शन... साउथ अफ्रीका को मिल गया डेल स्टेन 2.0 गेंद से मचाता है कहर

एजेंसी ● बुलवायो

जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के कोडी यूसुफ ने डेब्यू किया। उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए। कोडी यूसुफ ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से क्रिकेट जगत को चौंका दिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में 14 ओवर गेंदबाजी की और तीन विकेट हासिल किए।

कोडी यूसुफ दक्षिण अफ्रीका के दाएं हाथ के तेज-मध्यम गेंदबाज और निचले क्रम के बल्लेबाज हैं। उन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कोडी यूसुफ के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। स्टेन ने कहा कि कोडी तेज हैं, स्किडी हैं, आउटस्विंग गेंदबाजी करते हैं, सही लेंथ पर हिट करते हैं और उनके पास एक तेज बाउंसर है जो आपको जल्दी परेशान कर देता है। उन्होंने पिछले दिसंबर में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखा था और उन्होंने उनकी बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया था। वह राष्ट्रीय टीम में चुने जाने के हकदार थे। कोडी यूसुफ का गेंदबाजी एक्शन कुछ-कुछ स्टेन जैसा ही है।

कोडी यूसुफ का जन्म 10 अप्रैल 1998 को हुआ था। वह दक्षिण अफ्रीका के नाइसना के रहने वाले दाएं हाथ के मध्यम-तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गौतेंग और लायंस के लिए खेला है। किसी भी क्रि-केटर के चयन में घरेलू अनुभव हमेशा एक बड़ी भूमिका निभाता है, खासकर टेस्ट फॉर्मेट में। कोडी ने घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत की है। 33 मैचों में उन्होंने 103 फर्स्ट क्लास विकेट लिए हैं। उन्होंने 8 बार एक स्पेल में चार विकेट लिए हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम चार पांच विकेट भी हैं। उनकी इकॉनमी 3.38 है जबकि उनका स्ट्राइक रेट 50 से कम है। दक्षिण अफ्रीका की टॉप टी20 लीग, एसए20 में, कोडी पार्ल रॉयल्स टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो क्ढछ में राजस्थान रॉयल्स की फ्रेंचाइजी पार्टनर है। कोडी ने पार्ल के लिए पांच मैच खेले हैं, जहां उन्होंने लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए। कोडी बल्ले से भी कमाल दिखाते हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 609 रन बनाए हैं। उनके नाम 112 लिस्ट ए रन भी हैं। टी20 में, इस ऑलराउंडर ने अब तक 19 पारियों में 97 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टेस्ट पारी में, कोडी यूसुफ ने 49 गेंदों में 27 रन बनाए, जिसमें क्रीज पर जाते समय पांच चौके शामिल थे।

एक गोल पर एक करोड़, क्लब में बड़ा हिस्सा... क्रिस्टियानो रोनाल्डो की छप्पर फाड़ डील समझें

एजेंसी ● नई दिल्ली

स्टार स्ट्राइकरक्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कुछ समय पहले इशारा किया था कि अल-नासर के साथ उनका करार सऊदी प्रो लीग का सफर खत्म हो सकता है, लेकिन अब उन्होंने क्लब के साथ दो साल का नया करार करके यूरोपीय फुटबॉल में संभावित वापसी की सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। डील के अनुसार, उन्हें कम से कम 2027 तक क्लब में रखेगा, जब वह 42 वर्ष के हो जाएंगे। पिछले कुछ सीजन से सऊदी प्रो लीग के शीर्ष गोल स्कोरर होने के बावजूद रोनाल्डो अभी तक लीग खिताब नहीं जीत पाए हैं।क्लब के निराशाजनक प्रदर्शन ने उसे फीफा क्लब विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से भी रोक दिया है। क्लब के साथ उनकी एकमात्र ट्रॉफी अब तक 2023 में अरब क्लब चैंपियंस कप है। इसके बावजूद क्लब ने उन्हें रखने का फैसला किया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह नया अनुबंध एक 'मेगा-मनी' डील है, जिसमें प्रति वर्ष 178 मिलियन (लगभग 2,000 करोड़ रुपये) का मूल वेतन शामिल है। इसमें निजी जेट से लेकर क्लब में हिस्सेदार तक शामिल है।जनवरी 2023 में अल-नासर में शामिल होने के बाद से रोनाल्डो एक शानदार स्कोरर रहे हैं। उन्होंने 111 मैचों में 99 गोल किए हैं, जिसमें 77 सऊदी प्रो लीग मैचों में 74 गोल शामिल हैं। केवल 2023-24 सीजन में उन्होंने 31 मैचों में 35 गोल किए, जो एक नया सऊदी प्रो लीग रिकॉर्ड है। पर्सनल बेस्ट और भारी भरकम डील के साथ ही रोनाल्डो और अल-नासर के लिए चुनौती अब उनकी अविश्वसनीय गोल-स्कोरिंग क्षमता को बड़ी टीम ट्रॉफियों में बदलना होगा। पिछले दो सीजन में टीम लीग खिताब जीतने से चूक गई है। 2022-23 और 2023-24 सीजन में दूसरे स्थान पर रही और हाल के अभियान में तीसरे स्थान पर खिसक गई।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अल नासर के साथ नया करार, खत्म हुआ हर तरह का सस्पेंस

एजेंसी ● नई दिल्ली

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल नासर के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करके अपने क्लब के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया है, जिसके तहत वह 2027 तक सऊदी अरब के क्लब में बने रहेंगे। पुर्तगाली आइकन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ आधिकारिक तौर पर घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, 'एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं।' अल नासर ने इसे लेकर पुष्टि करते हुए कहा, 'क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे।'

मैनचेस्टर यूनाइटेड से निकलने के बाद 2022 के अंत में अल नासर में शामिल हुए रोनाल्डो ने गोल के सामने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने प्रतियोगिताओं में 105 मैचों में 93 बार गोल किए हैं। सऊदी अरब में उनके जाने से वैश्विक फुटबॉल में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसने सऊदी प्रो लीग की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और इस क्षेत्र में सितारों के आगमन की लहर के लिए मंच तैयार किया।इससे पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि वह अल नासर से अलग हो सकते हैं, लेकिन अह सभी तरह के अटकलों पर विराम लग गया है। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी रहस्यमयी पोस्ट , 'यह अध्याय समाप्त हो गया है। कहानी? अभी भी लिखी जा रही है। सभी का आभारी हूं।' इसने अफवाहों को और हवा दी कि वह स्थानांतरित हो सकते हैं।यह अटकलें तब और तेज हो गईं जब अल नासर लीग में तीसरे स्थान पर रहा, रोनाल्डो के 800 क्लब गोल के मील के पत्थर तक पहुंचने के बावजूद एशियाई चैंपियंस लीग एलीट में जगह बनाने से चूक गए थे। पिछले महीने तब और अनिश्चितता पैदा हो गई जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रोनाल्डो के विस्तारित 2025 क्लब विश्व कप में संभावित रूप से शामिल होने के बारे में चर्चा का उल्लेख किया। इनफैंटिनो ने संभावित अस्थायी स्थानांतरण की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कुछ क्लबों के साथ चर्चा चल रही है, इसलिए अगर कोई क्लब देख रहा है और क्लब विश्व कप के लिए रोनाल्डो को नियुक्त करने में दिलचस्पी रखता है...कौन जानता है, कौन जानता है।'

भारत के पहले दिव्यांग आयरनमैन निकेत दलाल नहीं रहे, होटल की दूसरी मंजिल से गिर कर हुई मौत

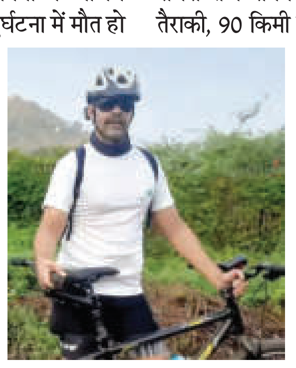

नई दिल्लीः भारत के पहले और दुनिया के पांचवें दिव्यांग आयरनमैन निकेत दलाल की दुर्घटना में मौत हो गई। निकेत मंगलवार सुबह समर्थनगर इलाके के एक होटल की दूसरी मंजिल से गिरकर मृत पाए गए। यह दुर्घटना सुबह करीब 8 बजे हुई। निकेत दलाल पूर्व उपमहापौर लता दलाल के बेटे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 30 जून की रात उनके घर में आग लग गई थी। घर को असुरक्षित पाए जाने पर उनके दोस्तों ने उनके लिए सुबह करीब 2:30 बजे एक होटल में रुकने की व्यवस्था की थी।

हालांकि, अगली सुबह, 1 जुलाई को, निकेत होटल के पार्किंग क्षेत्र में गिरे हुए पाए गए। इस दुखद घटना से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। पेशे से स्पीच थेरेपिस्ट निकेत ने 2020 में तब इतिहास रच दिया था जब उन्होंने आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा किया और ऐसा करने वाले पहले नेत्रहीन एथलीट बने। दलाल ने जिस आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन को सबसे तेज समय में पूरा किया था, उसमें 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिल की सवारी और 21.1 किमी की दौड़ शामिल थी।निकेत ने 2015 में ग्लूकोमा के कारण अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी। उस समय, वह अपने गृहनगर औरंगाबाद में एक स्पींच थेरेपिस्ट के रूप में कार्यरत थे। एक जुनूनी एथलीट के तौर पर, निकेत ने राष्ट्रीय स्तर की तैराकी में पहले ही तीन पदक जीते थे।

निकेत महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले थे। उन्होंने 38 साल की उम्र में बिना आंखों की रोशनी से इतिहास रचा था। बता दें कि निकेत ने जिस ट्रायथलॉन में हिस्सा लिया था उस प्रतियोगिता को 8 घंटों में बिना ब्रेक के पूरा करना होता है। दुबई में हुई इस दौड़ में उनका साथ 27 साल के अहराम शेख ने दिया था। उन्होंने 7 घंटे 44 मिनट में उन्होंने बिना रुके रेस को पूरा कर जीत हासिल की थी।

एक ऐसा फुटबॉल टूनार्मेंट जिसमें कभी खेल ही नहीं पाए लियोनेल मेसी, जीतना भी बहुत दूर की बात

एजेंसी ● नई दिल्ली

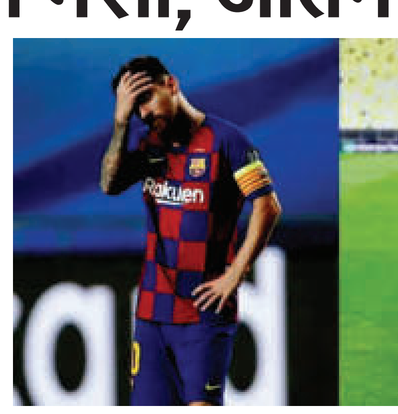

लियोनेल मेसी फुटबॉल इतिहास के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 38 साल के मेसी ने अपने करियर की शुरूआत 2004 में बार्सिलोना के साथ की। 2021 में वह पीएसजी चले गए। अभी मेसी इंटर मियामी का हिस्सा हैं। वह अर्जेंटीना के लिए इंटरनेशनल फुटबॉल में खेलते हैं। अपने करियर में उन्होंने 46 ट्रॉफी जीती हैं। इसमें फीफा वर्ल्ड कप के अलावा कोपा अमेरिका, लीग वन, ला लिगा, कोपा डेल रे, स्पेनिश सुपर कप, चैंपियंस लीग, सुपर कप और क्लब वर्ल्ड कप शामिल हैं।

यूरोपा लीग खेल ही नहीं पाए मेसी

चैंपियंस लीग के बाद यूरोपा लीग यूरोप का दूसरा प्रमुख फुटबॉल टूनार्मेंट है। इसमें लियोनेल मेसी अपने करियर में कभी नहीं खेल पाए। ला लिगा टेबल में टॉप-4 में रहने वाली टीम चैंपियंस लीग खेलती है और 5वें के साथ छठे नंबर की टीम यूरोपा लीग में पहुंचती है। लियोनेल मेसी के खेलने के बाद बार्सिलोना कभी भी इन दोनों स्थान पर नहीं रही। इसके साथ ही चैंपियन लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने से चूकने वाली कुछ टीमों को रैंकिंग के हिसाब से यूरोपा लीग में जगह मिलती है।लियोनेल मेसी के रहते बार्सिलोना ने हमेशा कमाल का प्रदर्शन किया और इसी वजह से यूरोपा लीग नहीं खेल पाई। मेसी के क्लब में आने से पहले 2000-01 और 2003-04 सीजन में टीम ने यूरोपा लीग में खेला था। मेसी से जाने के बाद 2021-22 और 2022-23 सीजन में टीम यूरोपा लीग खेली। बार्सिलोना की टीम अभी तक एक बार भी यूरोपा लीग नहीं जीत पाई है।स्पेनिश क्लब सेविला यूरोपा लीग की सबसे सफल क्लब है। टीम ने अभी तक 7 बार फाइनल खेला है और हर बार चैंपियन बनी है। इटली की इंटर मिलान ने के साथ ही टॉटेनहम हॉटस्पर, लिवरपूल, युवेंटस और एथलेटिको मैड्रिड ने 3-3 बार इस टूनार्मेंट को अपने नाम किया। रियल मैड्रिड भी दो बार यूरोपा लीग के खिताब को अपने नाम कर चुकी है।

तुर्की के मनीसा के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के प्रयास जारी हैं, इसके लिए फाइटर प्लेन और हेलिकॉप्टर की मदद से पानी की बौछार कर आग को काबू में करने की कोशिश की जा रही है।

शॉर्ट न्यूज

बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड सीनियर आईपीएस बहाल

बेंगलुरू। बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड आईपीएस विकास कुमार को मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (सीएटी) ने बहाल कर दिया। सीएटी ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जिम्मेदार है। सीएटी ने कहा, 'पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है। पुलिस को व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता तो उससे भारी भीड़ को नियंत्रित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आरसीबी ने विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से परमिशन नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी पोस्ट की, जिसके चलते भीड़ इकट्ठा हो गई। 5 लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए फ्रेंचाइजी ही जिम्मेदार है। आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद आरसीबी ने 4 जून को विक्ट्री परेड निकाली थी। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, इसमें 11 लोगों की जान गई थी और 75 लोग घायल हो गए थे।

वैज्ञानिक लॉकर में इकट्ठा कर रहे हजारों इंसानों का मल

नई दिल्ली। स्विट्ज़रलैंड में वैज्ञानिकों की एक टीम इंसानी मल के हजारों नमूने इकट्ठा कर रही है। यहां फ्रिज किए हुए मल को एक खास जगह पर रखा गया है जिसे 'डूम्सडे वॉल्ट' का नाम दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यहां अब तक 1,000 से ज्यादा नमूने इकट्ठा हो गए हैं। वैज्ञानिकों ने -80 डिग्री सेल्सियस पर 1,200 से अधिक मल के नमूनों को फ्रिज किया है। वैज्ञानिकों की टीम ने पिछले सात सालों में बेनिन, ब्राजील, इथियोपिया, घाना, लाओस, थाईलैंड जैसी जगहों से मल के नमूने इकट्ठा किए हैं। शोधकर्ताओं ने 2029 तक 10 हजार सैंपल इकट्ठा करने की योजना बनाई है। इस वॉल्ट के लिए एक स्थायी जगह खोजने की योजना भी बनाई जा रही है। इन नमूनों को स्विट्जरलैंड या कनाडा जैसे ठंडे देशों में संरक्षित कर भविष्य के लिए संरक्षित करने की योजना है।

हमास को चेतावनी दी; कहा- समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे

गाजा में 60 दिन के सीजफायर को तैयार इजराइल - ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इजराइल गाजा में 60 दिन का सीजफायर करने को तैयार हो गया है। इस दौरान सभी पक्षों से मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने हमास को चेतावनी दी कि

चेतावनी

अगर उसने समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि कतर और मिस्र इस समझौते का अंतिम प्रस्ताव हमास तक पहुंचाएंगे। ये दोनों देश लंबे समय से शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, मेरे लोगों ने आज इजराइली अधिकारियों से गाजा को लेकर अच्छी बातचीत की। इजराइल ने 60 दिन के संघर्षविराम को मान गया है। अब हम सभी पक्षों से बातचीत कर युद्ध खत्म करने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि हमास इस प्रस्ताव को मानेगा, क्योंकि इससे बेहतर मौका नहीं मिलेगा। अगर इस बार चूके तो हालात और खराब होंगे।

इजराइली पीएम नेतन्याहू अगले हफ्ते अमेरिका जाएंगे

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सोमवार को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। यहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। अमेरिकी प्रशासन के एक अधिकारी के हवाले से दी है। नेतन्याहू का यह दौरा इजराइल के रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर के वॉशिंगटन दौरे के तुरंत बाद हो रहा है। डर्मर ने पिछले हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों से गाजा सीजफायर , ईरान और अन्य मुद्दों पर बातचीत की थी। पिछले हफ्ते शुक्रवार को ट्रम्प ने मीडिया को बताया था कि गाजा में अगले एक हफ्ते के भीतर सीजफायर हो जाएगा।

गाजा में 21 महीने से जंग, 56 हजार फिलिस्तीनियों की मौत

हमास-इजराइल के बीच 21 महीने से संघर्ष जारी है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला कर दिया था। इजराइली आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में 1,200 लोग मारे गए और 251 बंधक बनाए गए थे। हमास ने यह हमला इजराइल के कब्जे, गाजा की नाकेबंदी और हजारों फिलिस्तीनी की रिहाई की मांग के लिए किया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 7 अक्टूबर के बाद इजराइल के सैन्य हमले में 56 हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा में जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। साथ ही 21 लाख लोगों को अकाल का सामना भी करना पड़ सकता है।

दावा : यूक्रेन के लोगों को सुसाइड बम में तब्दील कर रहा रूस

कीव ● एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को लेकर हाल ही में यूक्रेनी अधिकारियों ने एक ऐसा दावा किया है जिससे सनसनी फैल गई है। यूक्रेन के अधिकारियों का आरोप है कि रूसी खुफिया एजेंसियां एक बड़ा अभियान चला रही हैं, जिसके तहत यूक्रेन के लोगों को सुसाइड बॉम्बर में तब्दील कर यूक्रेन पर हमला करवाया जा रहा है। दावा है कि रूस यूक्रेन के बच्चों और युवाओं को पैसों का लालच देकर इस काम के लिए राजी करवा रहा है। यूक्रेन सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक ये रूस की गहरी चाल का हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस की खुफिया एजेंसी इससे सीमा से दूर इलाकों में रहने वाले यूक्रेनी समाज में अस्थिरता पैदा करने की रणनीति बना रही है। द गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में यूक्रेनी अधिकारियों का हवाला देते हुए ऐसे कई मामलों के उदाहरण भी दिए हैं जहां यूक्रेनियों को बहला-फुसलाकर इस तरह के काम करने के लिए मजबूर किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान कई युवक मारे भी गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों की मानें तो इस काम के लिए रूस मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम की मदद ले रहा है। यहां एक अनाम क्यूरेटर कैश देने का वादा कर कमजोर यूक्रेनियों को अपनी जाल में फंसाता है। अधिकारियों ने दावा किया है कि रूस आंतरिक सुरक्षा में सेंध लगा रहा है।

राष्ट्रपति बोले- राष्ट्रीय पहचान वाले कपड़े पहनना बेहतर

कजाकिस्तान में पब्लिक प्लेस पर चेहरा ढकने की मनाही

अस्ताना ● एजेंसी

कजाकिस्तान ने सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े, जिनसे किसी की पहचान छिपती है, सार्वजनिक जगहों पर नहीं पहने जा सकते। राष्ट्रपति तोकायेव ने कहा- 'चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों की बजाय हमारे राष्ट्रीय कपड़े पहनना बेहतर है। ये कपड़े

प्रतिबंध

हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं और इन्हें बढ़ावा देना चाहिए।' हालांकि, बीमारी, खराब मौसम, खेल, या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इसकी छूट है। कजाकिस्तान सरकार ने 2023 में स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना है कि स्कूल यूनिफॉर्म के नियम हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देते। इस फैसले के खिलाफ 150 लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। कजाकिस्तान में करीब 70% लोग इस्लाम धर्म मानते हैं, जबकि ईसाई धर्म दूसरा सबसे बड़ा धर्म है।

क्यों लगाए जा रहे हैं ये प्रतिबंध?

इन देशों का कहना है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं, क्योंकि इनसे लोगों की पहचान मुश्किल होती है। साथ ही, ये देश अपनी राष्ट्रीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना चाहते हैं। हालांकि, कुछ लोग इन प्रतिबंधों को व्यक्तिगत आजादी पर हमला मानते हैं।

सेंट्रल एशिया के कई देशों में चेहरा ढकने पर रोक

कजाकिस्तान के अलावा मध्य एशिया के कई देशों ने भी चेहरा ढकने वाले कपड़ों, जैसे नकाब और बुरका, पर रोक लगाई है। ये देश अपनी संस्कृति और सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं।

ताजिकिस्तान: 2024 में ताजिकिस्तान ने हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना था कि यह राष्ट्रीय संस्कृति की रक्षा और कट्टरपंथ को रोकने के लिए है। नियम तोड़ने पर जुर्माना है।

किर्गिस्तान: इसी साल किर्गिस्तान ने नकाब पर रोक लगाई है। नियम तोड़ने पर 230 डॉलर (20 हजार रुपए) का जुर्माना है। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और लोगों की पहचान के लिए जरूरी है।

उज्बेकिस्तान: उज्बेकिस्तान में बुरका और नकाब पर रोक है और नियम तोड़ने पर 250 डॉलर (22 हजार रुपए) से ज्यादा जुर्माना है। 2021 में हिजाब की इजाजत दी गई, लेकिन स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में इसे लेकर कुछ सीमाएं हैं। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के लिए है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)